■ आश्विन कृष्ण - 1 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 68 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 30-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'राजनीतिक कारणों से संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं'

6 क्यों पानी के लिए फिर लड़ रहे तमिलनाडु और कर्नाटक?

7 'इमरान खान और उनकी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने नौ मई की हिंसा का षड्यंत्र रचा'

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी

■ इस कानून को लागू होने में कुछ समय लगेगा क्योंकि अगली जनगणना और उसके बाद परिसीमन प्रक्रिया - लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण - से महिलाओं के लिए निर्धारित की जाने वाली विशेष सीटों का पता लगाया जायेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है। इस विधेयक के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

शुक्रवार को जारी विधि मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार को विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। इसे अब आधिकारिक तौर पर संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम के रूप में जाना जायेगा।

इसके प्रावधान के अनुसार, ''आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित केंद्र सरकार की अधिसूचना की तारीख से यह प्रभावी होगा।'' हाल में संसद के एक विशेष सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कानून को ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'' बताया था।

देश की राजनीति पर व्यापक असर डालने की क्षमता वाले उस 128वें संविधान संशोधन विधेयक को 21 सितंबर को संसद की मंजूरी मिल गई थी जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है।

राज्यसभा ने 'संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023' को लगभग 10 घंटे की चर्चा के बाद सर्वसम्मति से अपनी स्वीकृति दी थी। लोकसभा में इस विधेयक को 20 सितंबर को पारित किया गया था।

'कर्नाटक बंद'

कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु के लिए छोड़ने के खिलाफ 'कन्नड़ ओक्कूटा' की ओर से शुक्रवार को 'कर्नाटक बंद' के आह्वान के चलते मैसूरु शहर भी पूरी तरह बंद रहा। शुक्रवार को मैसूरु के प्रसिद्ध केआर सर्कल का एक दृश्य।

फर्स्ट टेक

इस्कॉन ने मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा

कोलकाता/भाषा। इस्कॉन ने शुक्रवार को कहा कि उसने उसकी गौशालाओं में गायों के रखरखाव को लेकर इस धार्मिक संगठन पर सवाल उठाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री गांधी का बिना तिथि वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें उन्हें 'इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस' (इस्कॉन) के खिलाफ आरोप लगाते हुए सुना जा सकता है। इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने एक बयान में कहा, ''आज, हमने इस्कॉन के खिलाफ पूरी तरह से निराधार आरोप लगाने के लिए मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है।''

पाकिस्तान में दो आत्मघाती विस्फोटों में कम से कम 55 लोगों की मौत

कराची/भाषा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक मस्जिद के समीप शुक्रवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया और इस घटना में कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 अन्य लोग घायल हो गए। पैगम्बर मोहम्मद का जन्मदिन 'ईद ए मिलाद उन नबी' मनाने के लिए मस्जिद के बाहर एक रैली के वास्ते भारी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे और उसी दौरान यह विस्फोट हुआ। इसके कुछ घंटों बाद खैबर पख्तूनख्वा के हांगू शहर में एक अन्य मस्जिद में हुए विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी तथा पांच अन्य घायल हो गए। बलूचिस्तान में मस्तुंग जिले के अल फलाह रोड पर मदीना मस्जिद के समीप विस्फोट हुआ। अभी किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मुर्मु ने राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किये

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में 2020-21 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किये। समाज सेवाओं में योगदान के लिए 52 व्यक्तियों को ये पुरस्कार प्रदान किए गए। श्रीमती मुर्मु ने जिन व्यक्तियों को ये पुरस्कार प्रदान किए उनमें डॉ भीम राव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा में कार्यरत डॉ रणवीर सिंह चौहान, दक्षिण कामरूप गर्ल्स कॉलेज असम में कार्यरत एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मिताली कथकटिया, पीजी कॉलेज चंडीगढ़ में कार्यरत एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रंजना शर्मा, सरकारी कन्या विद्यालय हिमाचल प्रदेश में कार्यरत डॉ मलकीयत सिंह सेषाद्रिपुरम डिग्री कॉलेज कर्नाटक में कार्यरत एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ राघवेंद्र आर शामिल हैं।

'दुनिया को किसी तरह के पुन: वैश्वीकरण की सख्त जरूरत है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया को किसी तरह के पुन: वैश्वीकरण की सख्त जरूरत है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत ''गैर पश्चिमी देश है लेकिन पश्चिम का विरोधी नहीं है।'' जयशंकर वाशिंगटन डीसी में 'थिंक टैंक' हडसन इंस्टीट्यूट द्वारा 'नई प्रशांत व्यवस्था में भारत की भूमिका' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''यदि आप इसे एक साथ रखें तो मैं आपको सुझाव दूंगा कि दुनिया को किसी प्रकार के पुन: वैश्वीकरण की सख्त जरूरत है।''

मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण अपने आप में निर्विवाद है क्योंकि इसने बहुत गहरी जड़ें जमा ली हैं। उन्होंने कहा, ''इसके जबरदस्त फायदे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन वैश्वीकरण का यह विशेष मॉडल पिछले 25 वर्षों में विकसित हुआ है। जाहिर है, इसमें बहुत सारे जोखिम निहित हैं और आज उन जोखिमों को कैसे दूर किया जाए और एक सुरक्षित दुनिया कैसे बनाई जाए, यह चुनौती का हिस्सा है।''

हिंद-प्रशांत पर जयशंकर ने कहा कि यह एक अवधारणा है जिसने आधार कायम कर लिया है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर और प्रशांत क्षेत्र का एक तरह से अलगाव वास्तव में कुछ ऐसा है जो वास्तव में द्वितीय विश्व युद्ध का परिणाम था। उन्होंने कहा कि इसमें हिंद महासागर, प्रशांत महासागर से पहले एक वैश्विक रणनीति और वैश्विक समझ पर ध्यान दिया गया, लेकिन भारत पर जोर देते हुए इसे कहीं अधिक एकीकृत तरीके से सामने रखा गया।

जयशंकर ने कहा कि प्रशांत व्यवस्था के संदर्भ में कई वैश्विक चिंताएं सबसे गंभीर हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से बड़ा मुद्दा यह है कि हो रहे एक बहुत बड़े बदलाव के बीच आप स्थिरता कैसे बनाए रखते हैं क्योंकि अक्सर तेज बदलाव शक्ति और हित तथा प्रभाव के असंतुलन पैदा करते हैं एवं जोखिम पैदा करते हैं।''

एक सवाल पर जयशंकर ने रेखांकित किया कि भारत पश्चिम के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ''गैर पश्चिमी देश है लेकिन पश्चिम का विरोधी नहीं है।''

मंत्री ने दोहराया कि भारत जैसे देश और अफ्रीका जैसे महाद्वीप का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नहीं होना 21वीं सदी की जमीनी हकीकत को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

जयशंकर ने कहा कि उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र की जिस इकाई में सबसे अधिक आबादी वाला देश नहीं है और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था शामिल नहीं है, साथ ही 50 से अधिक देशों का महाद्वीप नहीं है, उसमें स्पष्ट रूप से विश्वसनीयता और काफी हद तक प्रभावशीलता की कमी है।

पिछले नौ वर्ष में अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि पिछले नौ साल में संघीय ढांचे में निर्णायक नीतियां, राजनीतिक स्थिरता, लोकतंत्र और सामूहिक रूप से काम करने की भावना देखी गयी जिसने देश को ''नीतिगत पंगुता'' से बाहर निकाला है। गृह मंत्री ने 'चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' के 118वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 2004 से 2014 के कालखंड ने ''देश को हिलाकर रख दिया'' जो राजनीतिक अस्थिरता का ''आखिरी कालखंड'' भी था।

शाह ने कहा कि पिछले नौ वर्षों ने काम का नतीजा देखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा, ''पिछले नौ वर्ष राजनीतिक स्थिरता और निर्णायक नीति निर्माण के रहे हैं...इस अवधि के दौरान हमारा सकल घरेलू उत्पाद 2,030 अरब डॉलर से बढ़कर 3,750 अरब डॉलर हो गया है जो लगभग दोगुना है। प्रति व्यक्ति आय 2013-14 में 68,000 रुपये बढ़कर 1.80 लाख रुपये पहुंच गयी है।''

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले नौ साल में हर क्षेत्र में भारत को बदलने का प्रयास किया और कामयाब भी रहे। उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन करने के बाद न केवल व्यापार और उद्योग में बल्कि देश के हर क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है और सभी लोग एक नई गति का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार और उद्योग देश की अर्थव्यवस्था के केंद्र में हैं जहां से उसे ऊर्जा मिलती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''नीतियों में लाए गए बदलावों के कारण आज भारत की हर जगह चर्चा हो रही है और भारत को दुनियाभर में जीवंत देश के रूप में जाना जाता है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया में जब भी कोई कंपनी अपना आधार बदलना चाहती है तो भारत एक आकर्षक स्थल के रूप में उभरता है।''

शाह ने कहा, ''हमारा देश सबसे युवा है और हमारे पास सबसे बड़ी संख्या में इंजीनियर, डॉक्टर और तकनीकविद हैं।

सूर्यास्त 30-09-2023	सूर्योदय 01-10-2023
6:10 बजे	6:09 बजे

BSE	NSE
65,828.41	19,638.30
(+320.09)	(+114.75)

सोना	चांदी
6,161 रु.	74,997 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अदब और कायदा

हम भूल गए अब अदब,
सदन की मर्यादाएं चूर-चूर।
किन शब्दों से बोलें कैसे,
देखें ना हरगिज घूर-घूर।
हम कहां ठहाका मार हँसें,
मन के भावों को पूर-पूर।
हम भटक रहे हैं राहों से,
मंजिल अब भी है दूर-दूर।।

विधि आयोग 2029 से लोकसभा, विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के फॉर्मूला पर काम कर रहा है

नई दिल्ली/भाषा। विधि आयोग मौजूदा विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाकर या घटाकर 2029 से लोकसभा चुनाव के साथ सभी के चुनाव एक साथ कराने के फॉर्मूले पर काम कर रहा है। आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकार पहले ही लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के वास्ते एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है, इसलिए विधि आयोग को राष्ट्रीय और राज्यों के लिए अपनी वर्तमान सिफारिश के साथ-साथ स्थानीय निकाय चुनावों को भी शामिल करने को कहा जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि विधि आयोग लोकसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के वास्ते एक आम मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर रहा है ताकि लागत कम हो सके और जनशक्ति का इस्तेमाल लगभग एक समान कवायद के लिए किया जा सके जो अभी निर्वाचन आयोग और विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोगों द्वारा की जाती है।

क्रिकेट विश्व कप को 'विश्व आतंक कप' में बदलने की धमकी देने के लिए पन्नू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात पुलिस ने पांच अक्टूबर से यहां नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में शुरू हो रहे क्रिकेट विश्व कप को ''विश्व आतंक कप'' में बदलने की धमकी देने के लिए प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अहमदाबाद पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने प्राथमिकी में कहा कि पन्नू ने किसी विदेशी नंबर से पहले से रिकॉर्ड किए संदेश के जरिए देश के लोगों को धमकी दी।

साइबर अपराध शाखा के उप निरीक्षक एच.एन. प्रजापति द्वारा दर्ज करायी गई शिकायत में कहा गया है कि उनके संज्ञान में आया है कि कई लोगों को फोन नंबर +447418343648 से पहले से रिकॉर्ड धमकी भरा संदेश मिला है।

प्राथमिकी में कहा गया है कि जिन-जिन लोगों को यह संदेश मिला है उनमें से कई ने विभिन्न माध्यमों के जरिए पुलिस को इसकी शिकायत की है।

अहमदाबाद साइबर अपराध शाखा के सहायक आयुक्त जीतू यादव ने प्राथमिकी को उद्धृत करते हुए बताया, मोबाइल फोन उपयोगकर्ता के कॉल उठाने के बाद बजने वाले पहले से रिकॉर्ड किए गए संदेश में कहा गया कि पांच अक्टूबर को क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत नहीं होगी, बल्कि 'विश्व आतंक कप' की शुरुआत होगी। सिख्स फॉर जस्टिस खालिस्तानी झंडों के साथ अहमदाबाद में धावा बोलने जा रहा है।

अरुणाचल हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है : खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तवांग/भाषा। अरुणाचल प्रदेश पर चीन का कोई दावा नहीं है, क्योंकि राज्य हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को यह बात कही। हाल ही में हांगझोउ में एशियाई खेलों के लिए अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशु खिलाड़ियों को नियमित वीजा देने से इनकार करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी सीमावर्ती राज्य से संबंधित कोई मुद्दा होता है तो चीन अनावश्यक रूप से राजनीतिक पहलू लाने की कोशिश करता है। उन्होंने यहां शुरू हुई 36वीं राष्ट्रीय वरिष्ठ रस्साकशी प्रतियोगिता 2023 के मौके पर कहा, अरुणाचल प्रदेश पर चीन का कोई दावा नहीं है। इतिहास में कभी भी अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा नहीं रहा। यह सदैव भारत का अभिन्न अंग रहा है।

अरुणाचल प्रदेश के तीन वुशु खिलाड़ियों को मौजूदा एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था, लेकिन चीन ने उन्हें नत्थी वीजा दिया, जिससे उनका दौरा रद्द कर दिया गया। खांडू ने कहा कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश को नया नाम भी दिया है और नया नक्शा भी जारी किया है लेकिन देश का इस पर कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, इस तरह के दावे का कोई मतलब नहीं है।

पुतिन ने वैगनर के पूर्व कमांडर को यूक्रेन में वालंटियर यूनिट की कमान संभालने को कहा

मॉस्को/एपी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैगनर सैन्य लड़ाकों के शीर्ष कमांडरों में से एक को यूक्रेन में लड़ने वाले भाड़े के सैनिकों की इकाइयों का प्रभार संभालने का आदेश दिया है।

यह वैगनर सेना के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की मौत के बाद भाड़े के सैनिकों का उपयोग जारी रखने के क्रेमलिन के प्रयास का संकेत है। शुक्रवार को क्रेमलिन द्वारा जारी टिप्पणियों में, पुतिन ने आंद्रेई ट्रोशेव से कहा कि उनका काम लड़ाका इकाइयों के गठन को देखना है जो विभिन्न युद्धक कार्य कर सकें, मुख्य रूप से विशेष सैन्य अभियान के क्षेत्र में। क्रेमलिन यूक्रेन में अपने युद्ध के लिए 'विशेष सैन्य अभियान' शब्द का उपयोग करता है।

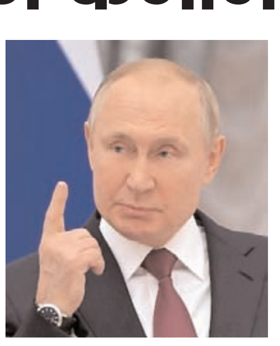

उप रक्षा मंत्री यूनुस-बेक येवकुरोव भी बृहस्पतिवार देर रात बैठक में उपस्थित थे, यह संकेत है कि वैगनर के भाड़े के सैनिक संभवतः रक्षा मंत्रालय की कमान के तहत काम करेंगे।

शुक्रवार को फोन पर पत्रकारों के साथ बात करते हुए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि की कि ट्रोशेव अब रक्षा मंत्रालय के लिए काम करते हैं और वैगनर की यूक्रेन में सेना में संभावित वापसी के बारे में सवालों का जिक्र किया। युद्ध के सबसे लंबी और सबसे खूनी लड़ाई में पूर्वी यूक्रेन के शहर बखमुत पर कब्जा करने के बाद पीछे हटने से वैगनर लड़ाकों की युद्ध के मैदान में तबसे कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं रही है।

स्वच्छ भारत साझा जिम्मेदारी : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों से एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे, हमें एक महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल के लिए एक साथ आना है। स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास मायने रखता है। एक स्वच्छ भविष्य की शुरुआत करने के लिए इस महान प्रयास में शामिल हों।

ब्रिटेन दौरे पर कुल 12,500 करोड़ रुपये के निवेश का करार हुआ: धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कहा कि उनके ब्रिटेन दौरे के दौरान कुल 12,500 करोड़ रुपये के निवेश का करार हुआ और इसे मिलाकर राज्य में अब तक करीब 20,000 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव आ चुके हैं।

उत्तराखंड में दिसंबर में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन में निवेश आकर्षित करने के मकसद से लंदन दौरा पूरा कर दिल्ली लौटने के बाद यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि इस सम्मेलन के दौरान राज्य को दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''अभी 12,500 करोड़ रु के प्रस्ताव हमें प्राप्त हुए हैं और इस बारे में करार भी हो गया है। बड़ी संख्या में और भी प्रस्ताव मिले हैं। लोगों ने पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्राकृतिक खेती समेत कई क्षेत्रों में निवेश की इच्छा जताई है। कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर उपचार के क्षेत्र में भी निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।'' मुख्यमंत्री ने ब्रिटेन दौरे के दौरान लंदन और बर्मिंघम में निवेश आकर्षित करने के लिए आयोजित किए गए रोड शो में हिस्सा लिया और निवेशकों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि निवेश में रूचि दिखाने वालों में अप्रवासी उत्तराखंडी भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले से ही निवेश कर चुके औद्योगिक समूहों ने भी अपने विस्तार में रुचि दिखाई है।

धामी ने कहा कि उत्तराखंड के अप्रवासी और राज्य सरकार के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने तथा उनके निवेश प्रस्तावों पर त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में एक उत्तराखण्ड अप्रवासी सेल बनाया जायेगा।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.33 अरब डॉलर घटकर 590.70 अरब डॉलर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.33 अरब डॉलर घटकर 590.70 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 86.7 करोड़ डॉलर घटकर 593.04 अरब डॉलर रहा था।

अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट थामने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्राभंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 15 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.55 अरब डॉलर घटकर 523.36 अरब डॉलर रही।

डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 30.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.31 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 7.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.01 अरब डॉलर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 5.02 अरब डॉलर रहा।

केरल में व्यापक बारिश, 10 जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में बृहस्पतिवार रात से लगातार हो रही बारिश के कारण शुक्रवार को राज्य के कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम हो गया। लगातार बारिश के मद्देनजर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 10 जिलों- पथनमथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, त्रिशूर, मलप्पुरम, कोझीकोड, कन्नूर और कासरगोड में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। बृहस्पतिवार रात से राज्य के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। 'येलो अलर्ट' 6-11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश का संकेत देता है।

आईएमडी मौसम की चेतावनी के लिए चार 'रंगों के कोड' का उपयोग करता है, जिसमें 'हरा' (कोई कार्रवाई आवश्यक नहीं), 'पीला' (नजर रखें और तत्पर रहें), 'नारंगी' (तैयार रहें) और 'लाल' (कार्रवाई करें) शामिल हैं। स्थिति के अनुसार, इन रंगों के अलर्ट जारी किए जाते हैं। ये अलर्ट 'ग्रीन अलर्ट', 'येलो अलर्ट', 'ऑरेंज अलर्ट' और 'रेड अलर्ट' होते हैं।

आईएमडी के सूत्रों ने कहा कि राज्य में अगले दो दिनों तक कई स्थानों पर तेज हवाएं चलने और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यहां कहा कि विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है तथा ऊंचाई वाले और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया और इसके परिणामस्वरूप तिरुवनंतपुरम जैसे जिलों में यातायात जाम हो गया, जहां मौसम की कोई विशेष चेतावनी नहीं दी गई है।

एडीबी के पूंजी सुधारों से अगले साल साल में एशिया, प्रशांत क्षेत्र को मिलेंगे 100 अरब डॉलर

नई दिल्ली/भाषा। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पूंजी प्रबंधन सुधारों को मंजूरी दे दी, जिससे अगले 10 साल में एशिया, प्रशांत क्षेत्र को 100 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्त मिल सकेगा। इससे जलवायु परिवर्तन संबंधी चुनौतियों समेत अन्य संकटों से निपटने के लिए जरूरी संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी। इन सुधारों को एडीबी के पूंजी पर्याप्तता ढांचे को अद्यतन करके पेश किया। बैंक की वार्षिक नई प्रतिबद्धताओं को 36 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाया गया। इस तरह इसमें लगभग 10 अरब डॉलर या 40% की वृद्धि हुई। एडीबी ने एक बयान में कहा, 'एशियाई विकास बैंक ने आज पूंजी प्रबंधन सुधारों को मंजूरी दी। इससे क्षेत्र के विभिन्न संकटों से निपटने के लिए अगले दशक में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्त पोषण मिलेगा।' एडीबी ने ऋण क्षमता बढ़ाने के लिए सीएएफ को अद्यतन किया है। एडीबी के अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा ने कहा कि इन महत्वपूर्ण सुधारों से बहुपक्षीय बैंक के कमजोर सदस्यों को अधिक रियायती दरों पर संसाधन मिल सकेंगे।

सिंधिया ने हरित इस्पात उत्पादन को प्रोत्साहित करने के तरीकों पर की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विभिन्न कार्यबलों के साथ बैठक की और हरित इस्पात उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा उद्योग में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए वित्त पोषण विकल्पों सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। इस्पाल मंत्रालय के बयान के अनुसार संबद्ध पक्षों, उद्योग विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बैठक में हिस्सा लिया।

बैठक में इस्पात उत्पादन में स्थिरता तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का लक्ष्य हासिल करने के तरीकों पर चर्चा की गई। बैठक में इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा, पांच कार्यबलों के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्री ने कहा, '' हमारे 13 कार्यबल में से पांच के साथ सार्थक चर्चा हुई। नवीकरणीय ऊर्जा, कौशल विकास, प्रोत्साहन और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के संभावित उपायों सहित बहु-आयामी दृष्टिकोण के माध्यम से अपरिहार्य चुनौतियों से निपटने के व्यापक तौर-तरीकों के बारे में जानकारी दी।'' मंत्रालय के अनुसार, भारतीय बैंक संघ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील मेहता के नेतृत्व में वित्त संबंधित कार्यबल ने भारतीय इस्पात उद्योग के कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए वित्तपोषण विकल्पों के बारे में बताया। अनिरुद्ध कुमार नीत नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े कार्यबल ने नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने और निजी उपयोग के लिए हरित ऊर्जा सुविधाएं स्थापित करने को लेकर उद्योगों को आकर्षित करने के उपायों का प्रस्ताव रखा।

केरल विकास के दौर से गुजर रहा है, केंद्र का 'सौतेला' व्यवहार पहुंचा रहा है नुकसान : वित्त मंत्री बालगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल ने कहा कि विकास के चरण से गुजरते हुए राज्य बुनियादी ढांचे, औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में बहुत अच्छी वृद्धि के लिए तैयार है और इससे रोजगार के अधिक अवसर भी पैदा होंगे। राज्य की वित्तीय स्थिति संबंधी चिंताओं के बीच, उन्होंने कहा कि प्रदेश ने राजस्व सृजन में पिछले वित्त वर्ष में 71,000 करोड़ रुपये की बड़ी छलांग लगाई है, लेकिन केंद्र सरकार के सौतेले व्यवहार के कारण नकदी की कमी हो गई है। बालगोपाल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में हालिया 'फिच रेटिंग्स' सहित विभिन्न एजेंसियों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए पुष्टि की कि राज्य अब बहुत अच्छे आर्थिक विकास के दौर से गुजर रहा है। हाल के महीनों में, वाम शासित केरल वित्तीय मोर्चे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कदमों के खिलाफ आवाज उठाता रहा है, जिसमें जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) निधि जारी करने में कथित देरी और धन जुटाने के मामले में राज्य पर अंकुश शामिल हैं।

मंत्री ने बेहतर राजस्व सृजन के लिए वित्त विभाग द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि कुशल कर प्रशासन के माध्यम से, 2021 में दूसरी बार सत्ता में आई पिनराई विजयन सरकार ने राज्य के स्वामित्व वाले कर राजस्व (एसओटीआर) में एक बड़ी छलांग लगाई है और दावा किया कि यह केरल की आर्थिक वृद्धि का संकेत है।

माकपा की राज्य इकाई के एक वरिष्ठ नेता बालगोपाल ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह केरल को विभिन्न संसाधनों में उसके वैध हिस्से से वंचित कर रही है, जिससे गंभीर नकदी संकट पैदा हो रहा है। 'फिच रेटिंग्स' ने हाल में 'केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड' (केआईआईएफबी) के परिदृश्य में सुधार करते हुए उसे नकारात्मक से स्थिर कर दिया है।

मंत्री ने कहा कि फिच रेटिंग्स सहित विभिन्न एजेंसियों ने राज्य की वित्तीय स्थिति का आकलन किया और उन्होंने गणना की कि राजस्व सृजन कैसे हो रहा है, निवेश पूंजी सृजन कैसे हो रहा है और ऋण कैसे कम हो रहे हैं। कोविड-19 के बाद इन सभी क्षेत्रों में बहुत उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि केरल बुनियादी ढांचे और औद्योगिक क्षेत्रों में बहुत अच्छी वृद्धि की ओर बढ़ रहा है और कहा कि राज्य में अधिक सेवा उद्योग आएंगे।

जलवायु एजेंडे का इस्तेमाल व्यापार, निवेश सहयोग पर अंकुश लगाने के लिए न हो: मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने आगाह किया कि विश्व मंच पर जलवायु एजेंडे का इस्तेमाल व्यापार और निवेश सहयोग पर अंकुश लगाने वाले कदम पेश करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्यों की 22वीं मंत्री स्तरीय बैठक में यह बात कही। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 27 सितंबर को विदेशी आर्थिक तथा विदेशी व्यापार गतिविधियों से संबंधित एससीओ की यह बैठक हुई। पटेल ने डिजिटल विभाजन के अंतर को पाटने के लिए डिजिटलीकरण के महत्व पर भी जोर दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, '' उन्होंने आगाह किया कि विश्व मंच पर जलवायु एजेंडे का इस्तेमाल व्यापार तथा निवेश सहयोग पर अंकुश लगाने वाले उपायों को पेश करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। '' यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय संघ ने कार्बन उत्सर्जन कम करने के नाम पर धातु जैसे कुछ क्षेत्रों पर कार्बन कर लगाने का फैसला किया है। भारत जैसे विकासशील देशों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की है। मंत्री ने पारस्परिक रूप से लाभप्रद, संतुलित और न्यायसंगत विकास के लिए एससीओ क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का इस्तेमाल करने पर भी जोर दिया।

मूडीज ने टाटा पावर की रेटिंग बढ़ाकर बीए1 की

नई दिल्ली/भाषा। टाटा पावर ने शुक्रवार को कहा कि मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने उसकी कॉरपोरेट रेटिंग को बीए2 से बढ़ाकर बीए1 कर दिया है और एक स्थिर परिदृश्य बनाए रखा है। मूडीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा पावर की ठोस वित्तीय स्थितियों के कारण उसकी रेटिंग को बढ़ाकर बीए1 किया गया है।

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया, 'मूडीज इन्वेस्टर सर्विस ने टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की कॉरपोरेट रेटिंग को बीए2 से बढ़ाकर बीए1 कर दिया है और स्थिर परिदृश्य बनाए रखा है।' टाटा पावर की रेटिंग में कंपनी की एकल ऋण गुणवत्ता और शेयरधारकों समर्थन के चलते बढ़ोतरी की गई। मूडीज के अनुमानों के मुताबिक टाटा पावर का परिचालन नकदी प्रवाह पूर्व-कार्यशील पूंजी से ऋण (सीएफओ प्रीडब्ल्यूसी/ऋण) अनुपात अगले दो से तीन साल में 9-11 प्रतिशत पर रहेगा।

दिल्ली आभूषण की दुकान में डकैती

छत्तीसगढ़ से दो लोग गिरफ्तार, 18.5 किलोग्राम आभूषण बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/रायपुर/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के भोगल इलाके में आभूषण की एक दुकान से 20 करोड़ रुपये की डकैती के मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने बिलासपुर से दो लोगों को हिरासत में लिया है और उनके पास से सोने और हीरों के करीब 18.5 किलोग्राम आभूषण बरामद किए गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि अपराध निरोधक तथा साइबर इकाई और बिलासपुर जिले में सिविल लाइन पुलिस थाने के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने बिलासपुर शहर में चोरी की कई घटनाओं की जांच के दौरान यह अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लोकेश श्रीवास और शिवा चंद्रवंशी के तौर पर की गई है। लोकेश बिलासपुर में कथित तौर पर चोरी के सात मामलों में संलिप्त है। उन्होंने बताया कि श्रीवास के, छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में कवर्धा शहर में मौजूद होने की गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने बुधवार को वहां छापा मारा और चंद्रवंशी को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 23 लाख रुपये कीमत के आभूषण बरामद किए। सिंह ने कहा कि इस बीच श्रीवास फरार हो गया। उन्होंने बताया कि टीम ने इसके बाद श्रीवास को दुर्ग जिले के स्मृतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक घर में पकड़ा और उसके पास से 18.5 किलोग्राम सोने और हीरे के आभूषण तथा 12.5 लाख रुपये नकद बरामद किए। उन्होंने बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि आभूषण नई दिल्ली में एक दुकान से चुराए गए थे।

पंजाब सरकार जिला अस्पतालों का कायाकल्प करेगी, पहले अस्पताल का दो अक्टूबर को होगा उद्घाटन : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब के सभी जिला अस्पतालों का कायाकल्प किया जाएगा और नए सिरे से तैयार पहले अस्पताल का उद्घाटन दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर किया जाएगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि पार्टी राष्ट्रीय राजधानी की तरह पंजाब में भी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करेगी। केजरीवाल ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''डेढ़ साल से भी कम समय में 664 मोहल्ला क्लीनिक बनाकर प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने के बाद, पंजाब में भगवंत मान नीत सरकार अब द्वितीयक और तृतीयक अस्पतालों में सुधार शुरू कर रही है। जिला स्तर पर सभी सरकारी अस्पतालों का नवीनीकरण किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर पटियाला में पुनर्निर्मित पहले अस्पताल का उद्घाटन किया जाएगा।

केजरीवाल ने 'एक्स' पर कहा, ''यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर नागरिक को मुफ्त में सर्वोत्तम इलाज प्रदान करे – चाहे वे अमीर हों या गरीब। दिल्ली के बाद, अब हम पंजाब में भी वह लक्ष्य हासिल करेंगे।''

गोवा सरकार आक्रामक नस्ल वाले कुत्तों को पालने पर पाबंदी लगाने को लेकर विचार कर रही: सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार कुछ आक्रामक नस्ल वाले कुत्तों को पालने पर पाबंदी लगाने को लेकर विचार कर रही है। यहां 'विश्व रेबीज दिवस' पर आयोजित एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ तय नस्ल के कुत्ते आक्रामक होते हैं जो लोगों पर हमला कर देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन आक्रामक नस्ल के कुत्तों को पालने पर पाबंदी लगाने पर विचार कर रही है। लोगों से अपने पालतू जानवरों को रेबीज का टीका लगवाने की अपील करते हुए सावंत ने कहा, ''ऐसे आक्रामक कुत्तों को पालतू जानवर के रूप में पाला जाता है और उनके मालिक कई बार उन्हें टीका तक नहीं लगवाते।'' उन्होंने दावा किया कि आवारा कुत्तों के कारण हर दिन कम से कम एक दुर्घटना हो रही है। उन्होंने कहा कि हर दिन सड़क दुर्घटना में सिर में चोट लगने के बाद कम से कम एक-दो मरीजों को गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल लाया जाता है और ये हादसे आवारा कुत्तों की वजह से होते हैं।

आंध्र प्रदेश में आगामी चुनाव वाईएसआरसी सरकार और घोटालेबाजों के बीच कुरुक्षेत्र की लड़ाई : जगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव की तुलना कुरुक्षेत्र की लड़ाई से की, जो उनकी गरीब समर्थक सरकार और घोटालों में कथित तौर पर शामिल प्रतिद्वंद्वियों के बीच लड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने विजयवाड़ा में एक कार्यक्रम के मौके पर सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायथु पार्टी (वाईएसआरसी) और विपक्षी दलों के बीच तुलना करते हुए यह टिप्पणी की।

रेड्डी ने जनसभा में कहा, ''अगले चुनाव की लड़ाई हमारी सरकार और हमारे प्रतिद्वंद्वियों के बीच है। एक तरफ मौजूदा सरकार है जिसने सभी समुदायों के लिए अच्छा काम किया, दूसरी तरफ प्रतिद्वंद्वी हैं जिनका सामाजिक अत्याचारों का इतिहास रहा है और जिन्होंने क्षेत्रीय अन्याय किया।'' उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल 99 प्रतिशत वादों को पूरा करने के लिए अपने चुनावी घोषणापत्र को भगवद्गीता, बाइबिल और कुरान जैसी पवित्र पुस्तक मानता है, जबकि विपक्षी दल कथित तौर पर लोगों को धोखा देने के लिए चुनाव के दौरान अपना घोषणापत्र लाते हैं और फिर उसे कूड़ेदान में फेंक देते हैं। तेलुगु देशम पार्टी पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उसे अच्छा करने के लिए नहीं बल्कि राज्य को लूटने के लिए सत्ता की जरूरत है। लोगों को अगले चुनावों से पहले तेदेपा के कथित झूठे वादों में न फंसने के लिए आगाह करते हुए रेड्डी ने उनसे मौजूदा सरकार द्वारा उनके परिवारों को दिए गए लाभों को याद करने के लिए भी कहा। अपने प्रतिद्वंद्वियों को अमीरों का प्रतिनिधित्व करने वाला और खुद को 'गरीबों की सरकार' बताते हुए मुख्यमंत्री ने और अधिक अच्छे काम करने के अवसर के लिए लोगों का आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री ने पात्र ऑटोरिक्शा चालकों और अन्य लोगों को 'वाईएसआर वाहन मित्र' योजना के तहत 276 करोड़ रुपये वितरित किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, BEENA DOB 04/08/1983, spouse of Army No.JC333090L, Rank Sub, Name Jayan V hereby declare that in my husband's service records my name and DOB is wrongly mentioned as BEENA and DOB is 04/08/1983, but currect name is BEENA JAYAN and DOB is 04/05/1983, [illegible] signed by Judl; I Class Megistrate Kayamkulam, Dated 23/09/2023.

पांच साल की आवर्ती जमा पर ब्याज बढ़ा, अन्य योजनाओं में कोई बदलाव नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने दिसंबर तिमाही के लिए पांच साल की आवर्ती जमा (आरडी) योजना पर ब्याज दर 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दी है। हालांकि, पीपीएफ समेत अन्य सभी छोटी बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त मंत्रालय के शुक्रवार को जारी परिपत्र के अनुसार, बचत जमा पर चार प्रतिशत और एक साल की सावधि जमा पर 6.9 प्रतिशत ब्याज पहले की तरह मिलता रहेगा।

दो साल और तीन साल की सावधि जमा पर ब्याज सात प्रतिशत है जबकि पांच साल की सावधि जमा पर 7.5 प्रतिशत है। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर 8.2 प्रतिशत ब्याज मिलता रहेगा।

मासिक आय खाता योजना पर ब्याज 7.4 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र पर यह 7.7 प्रतिशत और सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) योजना पर 7.1 प्रतिशत है। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत है और यह 115 महीनों में परिपक्व होगा। परिपत्र के अनुसार, लोकप्रिय बालिका योजना 'सुकन्या समृद्धि खाता' पर ब्याज दर आठ प्रतिशत पर बरकरार रखी गई है। सरकार हर तिमाही में, मुख्य रूप से डाकघरों में संचालित छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर अधिसूचित करती है।

मैसूरु बंद

एवेन्यू रोड

चिकपेट

पुलिस बंदोबस्त

केएसआर रेलवे स्टेशन

मामुलपेट

‘कर्नाटक बंद’ से बेंगलूरु समेत राज्य के दक्षिणी हिस्सों में आम जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु के लिए छोड़ने के खिलाफ ‘कन्नड़ ओक्कूटा’ की ओर से शुक्रवार को कर्नाटक बंद के आह्वान से राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के अन्य दक्षिणी हिस्सों में आम जनजीवन प्रभावित रहा। अधिकारियों ने बेंगलूरु शहरी, मंड्या, मैसूरु, चामराजनगर, रामानगर और हासन जिलों में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी थी और वहां के स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी थी।

‘कन्नड़ ओक्कूटा’ कन्नड़ और किसान संगठनों का एक प्रमुख संगठन है। इसी कारण से मंगलवार को भी बेंगलूरु में बंद आहूत किया गया था। कर्नाटक बंद के कारण कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने-जाने वाली कुल 44 उड़ानें रद्द कर दी गईं। हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसी प्रकार से राज्य परिवहन निगम ने भी खास तौर पर मंड्या, मैसूरु, चामराजनगर आदि कावेरी बेसिन जिलों में अपनी कई बस सेवाएं रद्द कर दी हैं। इन जिलों में बंद का सर्वाधिक असर पड़ा है। राज्य के दक्षिणी हिस्सों में मांड्या जैसे कावेरी बेसिन जिलों में अधिकांश दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान और भोजनालयों ने अपने शटर गिरा दिए। उन इलाकों में निजी वाहन सड़कों से नदारद रहे। राज्य के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों ने प्रतिक्रिया के डर से दक्षिणी जिलों में बहुत कम बसें संचालित कीं। राज्य के अन्य क्षेत्रों में बंद का मिलाजुला असर रहा। प्रदर्शनकारियों ने चित्रदुर्ग जिला मुख्यालय शहर में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन का पुतला फूंका।

कन्नड़ फिल्म उद्योग भी बंद में शामिल हुआ और अभिनेताओं, निर्माताओं, निर्देशकों और तकनीशियनों ने यहां धरना प्रदर्शन किया। अभिनेता शिवराजकुमार, दर्शन, ’दुनिया’ विजय और ध्रुव सरजा आदि उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने श्री गुरुराजा कल्याण मंटप के पास आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स’ ने भी दिनभर के बंद को समर्थन दिया। राज्य भर के सिनेमाघरों ने शाम तक शो रद्द कर दिए, वहीं कर्नाटक फिल्म प्रदर्शक संघ ने बंद का समर्थन किया है।

बेंगलूरु की अधिकांश सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों और अन्य कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा है। कन्नड़ समर्थक संगठनों का एक समूह विरोध के तौर पर कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के गेट के पास इकट्ठा हुआ। उन्होंने नारेबाजी की जिसके बाद बेंगलूरु पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने 12 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया है। वे कावेरी जल विवाद के विरोध में हवाई अड्डा परिसर में इकट्ठे हो गए थे। उन्हें एहतियातन हिरासत में लिया गया।

ऑटोरिक्शा चालक संघ और ओला उबर चालक और मालिक संघ ने भी बंद को अपना समर्थन दिया। कन्नड़ समर्थक संगठनों के लोगों का एक समूह बंद के तहत अपना विरोध दर्ज कराने के लिए यहां कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन द्वार के पास एकत्र हुआ और नारे लगाए।

बेंगलूरु में प्रमुख बजार मसलन चिकपेट, बलेपेट और आसपास के व्यापारिक इलाकों में सन्नाटा पसरा रहा। ‘ऑटो रिक्शा ड्राइवर्स यूनियन’ और ‘ओला ऊबर ड्राइवर्स एंड ओनर्स एसोसिएशन’ ने भी बंद को समर्थन दिया है।

वहीं सभी जगह पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था थी। निषेधज्ञा भंग करने को लेकर पुलिस ने 825 लोगों को गिरफ्तार किया। निषेधज्ञा के चलते टाउन हॉल से रैली निकालने की कोशिश में सारा गोविन्द, प्रवीण कुमार शेट्टी, शिवरामे गौड़ा, एनकुमार, एन मूर्ति, वेंकटेश, पार्थ सारथी सहित अनेक कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

फ्रीडम पार्क में बड़ी संख्या में लोग जमा होने लगे बाद में उन्हें वहां से रवाना करवा दिया गया। पुलिस आयुक्त डी. दयानंद ने फ्रीडम पार्क का दौरा किया। उन्होंने आसपास के क्षेत्रों में भी दौरा किया।

फिल्म कलाकार

फिल्म कलाकार

फ्रीडम पार्क

केआर मार्केट

ओकलीपुरम

राजस्थानी लोग

हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को रिहा किया जाए : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को मांग की कि राज्य सरकार तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का जल छोड़े जाने के विरोध में आहूत बंद के मद्देनजर हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को रिहा करे। कन्नड़ और किसान समूहों के मूल संगठन ‘कन्नड़ ओक्कूटा’ ने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के लिए जल छोड़े जाने के विरोध में शुक्रवार को बंद का आह्वान किया है।

राज्य के दक्षिणी हिस्सों में किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों द्वारा आहूत बंद के बीच, जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के नेता कुमारस्वामी ने कहा कि ‘कन्नड़ परिवार’ की एकता पड़ोसी राज्य के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा कि ‘कावेरी संघर्ष’ के लिए पूरा कर्नाटक एकजुट है और आज के बंद को हर क्षेत्र की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।’

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भूमि, भाषा एवं पानी का सवाल आता है, तो सभी को एकजुट होना चाहिए तथा कन्नड़ परिवार के बीच यह सद्भाव एवं एकता पड़ोसी राज्यों के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए।

‘कर्नाटक बंद’ की जरूरत नहीं थी : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि कावेरी नदी जल विवाद को लेकर बंद की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उनकी सरकार राज्य के हितों की रक्षा कर रही है।

कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु के लिए छोड़े जाने के विरोध में विभिन्न कन्नड़ समर्थक संगठनों और किसान संगठनों की ओर से कर्नाटक बंद की अपील की गई थी। यह बंद शुक्रवार को आयोजित किया गया।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा,‘कुछ संगठनों की ओर से बंद का आह्वान किया गया, लेकिन बंद की जरूरत नहीं थी।’ उन्होंने कहा कि सरकार राज्य के हितों की रक्षा कर रही है। उपमुख्यमंत्री के पास जल संसाधन विभाग भी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि बंद के दौरान किसी को भी समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

शिवकुमार ने कहा कि बंद शांतिपूर्ण रहा और इस दौरान वाहनों की आवाजाही जारी रही तथा तमाम जगह दुकानें खुली रहीं।

कावेरी के कम पानी को लेकर ना लड़ें : सद्‌गुरु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आध्यात्मिक गुरु सदगुरु जग्गी वासुदेव ने शुक्रवार को तमिलनाडु और कर्नाटक के लोगों से आह्वान किया कि कावेरी के कम पानी को लेकर लड़ने के बजाय वे नदी को समृद्ध कर उसमें प्रचुर जल प्रवाह सुनिश्चित करें। कर्नाटक और

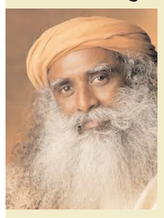

तमिलनाडु में कावेरी जल बंटवारे को लेकर विवाद के बीच उन्होंने कहा, मां कावेरी नहीं जानती कि हम किस राज्य से हैं, लेकिन वह पानी के घटते स्तर से जूझ रही है और गर्मी के महीने में सूख जाती हैं। सदगुरु ने ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा, बड़े पैमाने पर वृक्ष आधारित कृषि की शुरुआत करना और कावेरी बेसिन के तहत आने वाले 83 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को हराभरा करना ही एक मात्र उपाय है जिससे कावेरी नदी सालभर प्रचुर मात्रा में जल के साथ प्रवाहित होती रहेगी।

इस पोस्ट में उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को भी टैग किया है। उन्होंने लिखा, आइये हम कम पानी को लेकर लड़ने की बजाय मां कावेरी को सशक्त और समृद्ध करें...।

‘कर्नाटक बंद’ में प्रवासी राजस्थानी समुदाय के लोगों ने किया समर्थन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तमिलनाडु को कावेरी पानी छोड़े जाने के निर्णय के विरोध में विभिन्न कन्नड़ संगठनों ने शुक्रवार को कर्नाटक बंद का आह्वान किया था जिसका पूरे राज्य में मिलाजुला असर देखने को मिला। विभिन्न स्थानीय सभा संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया साथ ही प्रवासी राजस्थानी व मारवाड़ी समुदाय के संगठनों ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और अपने अपने स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया। राजस्थानी प्रवासियों ने पूरे कर्नाटक में अपने अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद कर कर्नाटक बंद का समर्थन किया, साथ ही अनेक संस्थाओं ने अपने अपने स्तर पर प्रदर्शन किया। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) के साउथ व नार्थ चैप्टरों ने तो कर्नाटक बंद के समर्थन में सार्वजनिक विज्ञापन देकर अपना समर्थन जताया।

ब्यावर संघ युवा शाखा ने निकाली बाइक रैली

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा के सदस्यों द्वारा कावेरी विवाद पर कर्नाटक के अनेक संगठनों द्वारा आहूत ‘कर्नाटक बन्द’ के समर्थन में बाइक रैली निकाली गई। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने कहा कि इस वर्ष बारिश कम होने की वजह से कर्नाटक के सभी जलाशयों में पिछले अनेक वर्षों की तुलना में बहुत ही कम पानी रह गया है, ऐसे में कावेरी नदी के पानी के तमिलनाडु के साथ बंटवारे न्यायसंगत नहीं है। सभी युवा्ओं ने विरोध जताया। रैली में ललित डाकलिया, विकास खटोड़, मंत्री कुलदीप छाजेड़, नितेश बोहरा, विनोद बाफना, वर्धमान श्रीश्रीमाल, मनीष मेडतवाल, नितेश संचेती, सुशील बाफना, अंजन मेहता, हेमन्त गुलेच्छा, जितेन्द्र खिंवसरा, यश रांका, रोशन लोढ़ा आदि अनेक सदस्यों ने बन्द के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की

राजस्थानी मारवाड़ी समुदाय के लोगों ने फ्रीडम पार्क में किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कावेरी नदी से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़े जाने के विरोध में कन्नड़ ओक्कुटा और किसान संगठनों की ओर से ‘कर्नाटक बंद’ का राजस्थानी समाज ने अपने अपने स्तर पर समर्थन किया। शहर के विभिन्न राजस्थानी, मारवाड़ी, गुजराती समाज के सदस्यों ने फ्रीडम पार्क पहुंचकर स्थानीय संगठनों के साथ में अपना विरोध दर्ज कराया। समाज के बाबूभाई मेहता ने बताया कि हम सभी कावेरी नदी का ही पानी पीते हैं परन्तु इस बार बारीश कम होने के कारण कर्नाटक में पानी की कमी है ऐसे में तमिलनाडु के लिए कावेरी पानी छोड़ने का तो कोई औचित्य ही नहीं बनता है। ललित डाकलिया ने कहा कि कोर्ट को भी इसका संज्ञान लेना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में बाबूभाई मेहता, कविता पोरवाल, ललित डाकलिया, सुशील तलेसरा, मुरलीधर तापड़िया, कांतिलाल खींवसरा, भरतसिंह, संजय बागरेचा के साथ अनेक राजस्थानी और गुजराती समाज के लोग उपस्थित थे।

विरोध प्रदर्शन

कावेरी नदी से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़े जाने के विरोध में मैसूरु के विभिन्न राजस्थानी सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने रैली निकाली तथा हाथों में विरोध प्रदर्शन के संदेश लिखी तख्तियां लेकर विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने रैली निकालकर संबंधित अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

युवाओं ने निकाली पदयात्रा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कावेरी जल विवाद के विरोध में विभिन्न कन्नड़ संगठनों द्वारा आहूत ‘सम्पूर्ण कर्नाटक बन्द’ का राजस्थानी मारवाड़ी समाज के युवाओं ने पूर्ण समर्थन किया। युवा वर्ग ने अपने

अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और एवेन्यू रोड चिकपेट सर्कल से विशाल रैली निकालकर मैसूरु बैंक सर्कल तक पदयात्रा की। रैली में कावेरी मात की जय, जय कर्नाटक माते के नारे गुंजायमान थे। रैली मैसूर बैंक से फ्रीडम पार्क पहुँचकर विशाल सभा मे तब्दील हो गई। इस अवसर पर फ्रीडम पार्क में आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल होकर समस्त युवाओं ने कर्नाटक के जल, जमीन विषय का पूर्ण समर्थन किया।

उड़ानें रद्द, बस सेवाएं बंद होने से लोगों को भारी परेशानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिलनाडु के साथ कावेरी जल साझा करने के विरोध में शुक्रवार को आहूत ‘कर्नाटक बंद’ के कारण कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुल 44 उड़ानें रद्द कर दी गईं। हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसी प्रकार से राज्य परिवहन निगम ने भी खास तौर पर मांड्या, मैसूरु, चामराजनगर आदि कावेरी बेसिन जिलों में अपनी कई बस सेवाएं रद्द कर दी हैं। इन जिलों में बंद का सर्वाधिक असर पड़ा है।

बंद के कारण वक्त पर नहीं पहुंच पाने के कारण बहुत से लोग अपनी उड़ान, बस और ट्रेन नहीं पकड़ पाए वहीं कुछ लोग उड़ान तथा बस सेवाएं बंद होने से परेशान नजर आए। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, ‘हमने हड़ताल की वजह से आज 44 उड़ानें रद्द की हैं...।’

कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने कहा कि कर्नाटक के दक्षिणी हिस्सों में केवल 59.88 प्रतिशत बसें संचालित हो रही हैं। बस संचालन के मामले में केएसआरटीसी की मैसूरु और चामराजनगर इकाई सर्वाधिक प्रभावित रहीं।

447 बसों के निर्धारित प्रस्थान के मुकाबले, मैसूरु में केवल सात बसें चलीं, जबकि चामराजनगर में 247 बस सेवाओं में से आठ संचालित हुईं। मंड्या, चिक्कमंगलुरु और बेंगलूरु में निर्धारित प्रस्थान के मुकाबले क्रमशः 37.25 प्रतिशत, 51.49 प्रतिशत और 57.39 प्रतिशत परिचालन देखा गया।

दक्षिणी कर्नाटक में बस अड्डे और रेलवे स्टेशन वहीं बेंगलूरु में हवाई अड्डे में सन्नाटा पसरा रहा। किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों ने हवाई अड्डे के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इसी तरह विरोध प्रदर्शन बस स्टेशन पर भी हुए। कार्यकर्ताओं ने बैनर, पोस्टर और तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया और नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने बेंगलूरु, मैसूरु, मांड्या और चामराजनगर में कई सड़कों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे अफरा तफरी मच गई।

ट्रेनों के समय में संशोधन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 1 अक्टूबर से नया टाइम टेबल लागू हो जाएगा। जिसमें कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया है। नए टाइम टेबल के हिसाब से दक्षिण पश्चिम रेलवे की 314 ट्रेनों की समय सारिणी में परिवर्तन किया गया है। जिसमें नई ट्रेनों की शुरुआत, ट्रेनों की आवृत्ति में वृद्धि, ट्रेनों के विस्तार, नए स्टॉपेज के प्रावधान, कोचों की स्थायी वृद्धि की जानकारी दी गई है।

ट्रेनों के नए आगमन और प्रस्थान समय का विवरण एसडब्ल्यूआर वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। एसडब्ल्यूआर ने यात्रियों से बदलावों पर ध्यान देने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए फोन नं. 139 पर डायल कर पता किया जा सकता है। वहीं नए टाइम टेबल की मुख्य विशेषताओं के लिए एक क्यूआर कोड भी जारी किया गया है।

अदालत की अवमानना का मामला

डॉक्टर ने सरकारी अस्पताल में सामुदायिक सेवा का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एक महिला चिकित्सक ने अदालत की अवमानना के एक मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय से माफी मांगते हुए लिखित में वादा किया कि वह सरकारी अस्पताल में सामुदायिक सेवा करेगी। निजी अस्पताल की एक 33-वर्षीया डॉक्टर आवश्यक मंजूरी के बाद छह महीने तक हर महीने एक दिन सरकारी अस्पताल में अपनी सेवा देगी। अदालत ने वैवाहिक और बच्चे की अभिरक्षा से संबंधित विवाद में उसके आदेश की अवहेलना करने पर स्वत: संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्यवाही शुरू की थी।

अदालत ने महिला डॉक्टर का माफीनामा रिकॉर्ड में दर्ज करते हुए कहा, प्रतिवादी/आरोपी के वकील ने लिखित में वचन दिया है कि उनके मुवक्किल ने बिना शर्त माफी मांगी है और इस अदालत को भरोसा दिया है कि भविष्य में वह ऐसा कुछ नहीं करेंगी, जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाये। इससे पहले उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ ने दंपती के नाबालिग बच्चे की अभिरक्षा पिता को दी थी। हालांकि, मां और महिला डॉक्टर ने बच्चे की अभिरक्षा पिता को सौंपने के अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं किया था।

उच्च न्यायालय ने इसके बाद अवमानना का नोटिस जारी किया था, जिसके बाद उसने सितंबर की शुरुआत में हलफनामा दाखिल किया और व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुईं। अदालत ने महिला डॉक्टर का माफीनामा स्वीकार करते हुए अवमानना की याचिका का निस्तारण कर दिया। हालांकि, अदालत ने डॉक्टर को आदेश दिया कि वह छह महीने के बाद अदालत के रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष अनुपालन बयान दर्ज कराएंगी।

वायुसेना स्टेशन की ओर से मैराथन एक अक्टूबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायुसेना की 91वीं वर्षगांठ के अवसर पर वायुसेना स्टेशन येलहंका 1 अक्टूबर को मैराथन का आयोजन करेगी। यह कार्यक्रम आम नागरिक के लिए खुला है। इसे एयरबेस के स्टेशन स्पोर्ट्स ग्राउंड से हरी झंडी दिखाई जाएगी। सुबह 6 बजे महिलाओं और बच्चों को भी भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसमें भागीदारी निशुल्क है और हर श्रेणी में शीर्ष तीन फिनिशर यानी पुरुषों (आधे और छोटे) और महिलाओं (आधे और छोटे) को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। मैराथन में भाग लेने के इच्छुक लोग क्यूआर कोड को स्कैन करके हाफ या मिनी मैराथन श्रेणियों में ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। यह मैराथन भारतीय वायुसेना के आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में एक और पहल है। इसके तहत स्टेशन ने हाल में अपनी कुछ सुविधाएं बनाई हैं।

राजस्थान के गौरवशाली इतिहास को कांग्रेस ने किया कलंकित : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी एवं नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयपुर में हुई ऐतिहासिक सभा के बाद अब राजस्थान के दो जिले चित्तौड़गढ़ और जोधपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकापर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री ने जिस किसी भी योजना का शिलान्यास किया, उसका उद्घाटन भी उन्होंने ही किया है। एक समय ऐसा भी था जब राजस्थान में शिलान्यास होते थे लेकिन उनका उद्घाटन करने में सालों लग जाते थे।

सीपी जोशी ने कहा की राजस्थान में कांग्रेस की निकम्मी, नकारा सरकार ने प्रदेश के गौरवशाली, मान-मर्यादा वाले इतिहास को कलंकित करने का काम किया है, प्रदेश में लगातार महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहें है, कानून व्यवस्था लचर हो चुकी है, इसकी शुरुआत 2018 के बाद से हुई, जब एक पति के सामने उसकी पत्नी के साथ दुराचार होता है, जब उस घटना का वीडियो सामने आता है तब मामला उजागर होता है, लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण इस मामले को दबाया जाता है, दलित समाज की महिला को न्याय देने की बजाय पीड़ित के साथ अत्याचार होता है, जबकि उसे न्याय मिलना चाहिए था। लेकिन राजस्थान की सरकार पीड़ितों पर दवाब बना कर मामले को रफा दफा करवाती है। राजस्थान के प्रत्येक कोने में चाहे एम्बुलेंस, स्कूल और यहां तक की न्याय मांगने जाने वाली पीड़िता से उसकी अस्मत की मांग की जाती है। अगर कई मामलों में भाजपा संगठन ओर जनता आंदोलन व धरना प्रदर्शन नहीं करती तो वह मामले भी दबे के दबे रह जाते।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह राजस्थान का दुर्भाग्य है की जयपुर के जमवारामगढ़ में महिला का जला हुआ शव मिलना, छबड़ा में नाबालिग का शव का मिलना, जयपुर में स्कूल जा रही 13 वर्षीय बच्ची का अपहरण हो जाना, पाली में 4 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म हो जाना, भरतपुर के केथवाड़ा में थानाधिकारी के सरकारी क्वार्टर में महिला के साथ दुष्कर्म होना और सीकर के रामगढ़ में बच्ची से दुष्कर्म करने के बाद कुएं में फ़ेंक दिया जाता है, ऐसी घटनाएं रोज घटित हो रही हैं। जनता आंदोलन करती है लेकिन फिर भी पीड़िता को न्याय नहीं मिल पाता है।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि बेटी बाजार का स्टिंग ऑपरेशन चल रहा है, इसको लेकर राजस्थान शर्मसार है, टोंक, सवाईमाधोपुर, बूंदी और भीलवाड़ा में बच्चीयों और बहनों को वस्तुओं की तरह बेचा जा रहा है, इसी सरकार ने जब भीलवाड़ा के अंदर ऐसी घटना हुई थी तब ऑपरेशन गुड़िया चलाया, उस समय इन्होने दावा किया कि 24 महिलाओं को बरामद किया जिनका विक्रय हो रहा था, लेकिन ऑपरेशन गुड़िया भी फेल हो गया, ये सरकार कानून व्यवस्था के साथ साथ महिला सुरक्षा के मामले में पूरी तरह फेल हुई है। ये सरकार इसलिए दोषी है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसी को भी पूर्णकालिक गृहमंत्री नहीं बनाया बल्कि खुद ही उस कुर्सी पर काबिज है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बयान दिया है कि अब तो राजस्थान में राष्ट्रपति का आना बाकि है,। ये हमारे संवैधानिक प्रमुख है, संवेधानिक प्रमुख पर इस तरीके की टीका टिप्पणी करना अनुचित व अशोभनीय है। क्या मुख्यमंत्री ऐसा वीजा सिस्टम लागू कर रहें हैं कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को आने के लिए वीजा लेना पड़े।

महिला और उसके भतीजे का शव खेत की 'डिग्गी' में मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले के सेरूणा थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात खेत में बनी 'डिग्गी' में एक महिला और उसके भतीजे का शव मिला है। राजस्थान में खेतों की सिंचाई के लिए बनाए गए छोटे तालाब को 'डिग्गी' कहते हैं।

थानाधिकारी इंद्रलाल ने बताया कि बृहस्पतिवार रात सेरूणा गांव कुछ दूरी पर खेत में बनी 'डिग्गी' में एक महिला और उसके भतीजे का शव मिला है। उन्होंने बताया कि 'डिग्गी' के बाहर दोनों के जूते और मोबाइल फोन मिले हैं। सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। इंद्रलाल ने बताया कि महिला के परिजनों की ओर से ससुराल पक्ष पर हत्या का मामला दर्ज करवाया गया है। उन्होंने कहा कि वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद हो सकेगा। अधिकारी ने कहा कि दोनों डिग्गी में कूदे हैं या कोई अन्य मामला है इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नानू देवी (30) और हडमान मेघवाल (26) के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में चाची और भतीजा हैं।

उन्होंने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम जारी है और रिपोर्ट के बाद वास्तविक कारणों का खुलासा हो पायेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी फैसले किए : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को दावा किया कि उनके नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर अहम निर्णय ले रही है, जिसकी वजह से राज्य ने इन दोनों क्षेत्रों में क्रांतिकारी आयाम स्थापित किए हैं। गहलोत बिरला सभागार में आयोजित राजस्थान नर्सिंग परिषद के द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ पीड़ित मानवता की सेवा में लगी हुई है और मेडिकल सुविधाओं और अवसंरचना का निरन्तर विस्तार कर रही है। गहलोत ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में सरकारी मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज एवं हर संभाग में पब्लिक हेल्थ कॉलेज खोले जा रहे हैं। इन सभी फैसलों से राज्य को देश में अग्रणी बनाने के मिशन-2030 का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। वहीं, एक अन्य कार्यक्रम में गहलोत ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में कार्मिकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने शासन सचिवालय के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के अंतर्गत नॉर्थ ब्लॉक के निर्माण कार्य का शिलान्यास तथा राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं आज देशभर में चर्चा का विषय हैं।

इन्हें धरातल पर उतारने में राजकीय कार्मिकों की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन सुनिश्चित करने तथा आखिरी व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कार्मिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री ने कार्मिकों से मिशन-2030 के तहत हर क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

गहलोत ने अधिकारियों को सुचारू विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जून-जुलाई में अच्छी बारिश से फसलों की बुवाई बढ़ी, जबकि अगस्त में कम बारिश और गर्मी से विद्युत की मांग में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि कोयले की कम आपूर्ति से भी विद्युत मांग और आपूर्ति में अंतर आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बावजूद राज्य सरकार निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि आगामी महीनों में भी आपूर्ति में कमी नहीं आने दी जाएगी।

गहलोत ने राज्य में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने, अपरिहार्य कटौती में कमी करने और उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना के बाद ही कटौती करने के निर्देश दिए। गहलोत ने कहा कि सरकार निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए महंगी दरों पर भी बिजली खरीद के लिए तैयार है, ताकि त्यौहारों में उपभोक्ताओं को परेशानी न हो।

'विश्वगुरु' तब बनेंगे जब देश से भुखमरी व कुपोषण खत्म होगा : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से केंद्र में सामाजिक सुरक्षा कानून बनाने की अपील करते हुए शुक्रवार को कहा कि देश 'विश्व गुरु' तब बनेगा जब भुखमरी व कुपोषण खत्म होगा। इसके साथ ही गहलोत ने आगामी विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए दावा किया कि इस बार चुनाव जनता लड़ेगी और राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। गहलोत यहां बिड़ला ऑडिटोरियम में नर्सिंग परिषद के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा कानून जैसे कानूनों का जिक्र करते हुए कहा, मैंने कहा प्रधानमंत्री जी आप पांचवा कानून बनाओ, विश्व गुरु तब बनोगे जब पहले हमारे यहां भुखमरी खत्म होगी, कुपोषण खत्म होगा.. तब हम लोग विश्व गुरु बनेंगे। गहलोत ने कहा, देश में सबको स्वास्थ्य सेवाएं मिले, सबको शिक्षा मिले, पानी बिजली की कोई कमी न रहे ...सबको सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। इसलिए मैंने कहा कि केंद्र में 'राइट टू सोशल सिक्योरिटी एक्ट' लागू करवाएं।

मुख्यमंत्री ने 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 100 यूनिट मुफ्त बिजली, अन्नपूर्णा फूड किट सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा,ये सब हम क्यों दे रहे हैं? जरूरत नहीं होनी चाहिए। एक काम करना चाहिए सामाजिक सुरक्षा का अधिकार कानून बने देश में।

गहलोत ने आरोप लगाया कि विपक्ष के लोग इन योजनाओं को रेवड़ियां बताकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शानदार वित्तीय प्रबंधन के कारण ही राज्य सरकार ऐसी योजनाएं ला पाई है। मुख्यमंत्री ने आगामी विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि इस बार वह नहीं बल्कि जनता चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके नेता चुनाव प्रचार करेंगे लेकिन जनता का रुख देख स्पष्ट है कि वह खुद चुनाव का बागडोर संभालेगी और कांग्रेस सरकार की वापसी सुनिश्चित करेगी।

पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी सहित कुछ नेता भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में वसुंधरा राजे सरकार में मंत्री रहे देवी सिंह भाटी बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में लौट आए। उनके साथ कुछ अन्य नेता भी पार्टी में शामिल हुए हैं। सीएलसी कोचिंग निदेशक श्रवण चौधरी, बांदीकुई से बसपा के पूर्व प्रत्याशी भागचंद सैनी और गेटवैल हॉस्पिटल, सीकर के बीएल रणवां भी भाजपा में पुनः शामिल हुए। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने उन्हें माला और भाजपा का दुपट्टा पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

इस अवसर पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने को लेकर बहुत उत्साह है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के 'जंगलराज' और 'कुशासन' से आज प्रदेश का हर वर्ग परेशान है।

उन्होंने कहा, आज भारतीय जनता पार्टी का परिवार और बढ़ रहा है। लोगों का भाजपा के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ा है। केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास के आधार पर ये नेता पार्टी में शामिल हुए हैं। पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी पांच साल बाद पार्टी में लौटे हैं। उन्होंने कहा, मैं कुछ मुद्दों पर भटक गया था व कुछ गिले शिकवे थे, वो अब दूर हो गए है।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में एचडीएफसी के सहयोग से स्थापित होगी स्मार्ट कक्षाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के 26 जिलों के 400 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में आगामी 75 दिनों में एचडीएफसी बैंक के सहयोग से स्मार्ट क्लास रूम तैयार किए जाएंगे, इनमें स्कूल शिक्षा विभाग के नवचार 'मिशन स्टार्ट' के तहत विद्यार्थियों को 'मिशन ज्ञान' के कक्षा 9 से 12 तक के ई-लेक्चर के माध्यम से आनलाइन और ऑफलाइन मोड पर पढ़ाई कराई जाएगी। इस अभियान के तहत स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने गुरुवार को जयपुर में सांगानेर सिटी में संचालित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुखपुरिया में स्मार्ट कक्षा कक्ष का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जैन ने कहा कि क्वालिटी कंटेंट बच्चों का अधिकार है, इसी उद्देश्य से मिशन स्टार्ट के तहत प्रदेश के सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में संचालित स्मार्ट क्लासेज में टीवी, अच्छा ई-कंटेंट और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन स्मार्ट क्लासेज का किस प्रकार से साप्ताहिक टाइम टेबल के आधार पर संचालन किया जाए, इसकी ई-बुकलेट भी सभी स्कूलों में भेजी गई है। अब बारी शिक्षकों और संस्था प्रधानों की है, वे स्मार्ट क्लासेज के नियमित और सुचारू संचालन का नैतिक दायित्व पूरे कमिटमेंट के साथ निभाएं। प्रदेश के स्कूलों में इस प्रकार पढ़ाई से आने वाले दिनों में बड़ा बदलाव आएगा।

उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गत दिनों प्रदेश में मिशन स्टार्ट की शुरुआत के बाद सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में प्रत्येक सप्ताह का अग्रिम टाइम टेबल बनाकर शाला दर्पण पोर्टल पर नियमित तौर पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए विभाग ने प्रारंभिक तौर पर 12 हजार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों का लक्ष्य तय किया था, मगर राज्य के स्कूलों के संस्था प्रधानों एवं शिक्षकों की तत्परता से शाला दर्पण पोर्टल पर 14 हजार 908 सीनियर सैकेंडरी स्कूलों ने एडवांस टाइम टेबल के आधार पर स्मार्ट कक्षाओं में ई-कंटेंट के माध्यम से अध्यापन शुरू कर दिया है।

शासन सचिव ने सुखपुरिया स्कूल के बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़कर अपना मुकाम हासिल करने के लिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप सरकारी या प्राईवेट स्कूल में पढ़ रहे है, राजस्थान बोर्ड या सीबीएसई के विद्यार्थी है अथवा आपकी पढ़ाई का माध्यम हिन्दी है या फिर इंग्लिश।

फर्क इस बात से पड़ता है कि आप कैसा पढ़ते हैं, आपके पढ़ने का तरीका क्या हैं और कितनी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे 9वीं से 12वीं तक के चार सालों में लगातार कड़ी मेहनत करें, इसके बल पर कॅरिअर में डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या आरएएस बनने सहित कोई भी मनचाहा मुकाम प्राप्त किया जा सकता है।

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में कार्मिकों की अहम भूमिका : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं आज देशभर में चर्चा का विषय हैं। इन्हें धरातल पर उतारने में राजकीय कार्मिकों की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन सुनिश्चित करने तथा आखरी व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कार्मिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कार्मिकों से मिशन-2030 के तहत हर क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

गहलोत शासन सचिवालय के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के अन्तर्गत नॉर्थ ब्लॉक के निर्माण कार्य का शिलान्यास तथा राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व उन्होंने सचिवालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नीति और नीयत हमेशा कर्मचारियों के पक्ष में रही है। कर्मचारियों द्वारा की गई अधिकांश मांगों को पूरा किया गया है।

राजस्थान में भाजपा की फिर बनेगी सरकार और होगा विकास : राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की सरकार बनेगी। राजे अलवर जिले के बरवा डूंगरी गांव में नारायणी माता मंदिर में सेन समाज द्वारा आयोजित पदयात्रा समापन समारोह में बोल रही थीं। यहां जारी बयान के अनुसार राजे ने कहा है कि राज्य में फिर से भाजपा की सरकार आएगी और फिर से विकास होगा। रुके हुए विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

राजे ने कहा कि संकट के समय भगवान हर स्तर पर भक्तों की मदद करते है, जैसे भगवान कृष्ण ने सेन महाराज का रूप धारण कर उनकी मदद की। उन्होंने कहा कि भगवान कि भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती;भगवान के घर देर हो पर अंधेर नहीं होती।

राजनीतिक कारणों से संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं: धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नालंदा (बिहार)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि राजनीतिक कारणों से संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है।

नालंदा विश्वविद्यालय में एक खुले सत्र में विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध कोई भी टिप्पणी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के खिलाफ है। उन्होंने कहा, '' राजनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए हमें संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को राजनीतिक चश्में से नहीं देखना चाहिए। संवैधानिक संस्थाएं कुछ राजनीतिक कारणों से आपत्तिजनक टिप्पणियों का सामना कर रही हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है। संवैधानिक संस्थानों की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि जब संवैधानिक संस्थाओं की बात आती है तो सबको जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए। संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध कोई भी टिप्पणी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के खिलाफ है।

धनखड़ ने कहा कि एक दशक पहले भारत को विश्व की 'पांच कमज़ोर' अर्थव्यवस्थाओं में रखा जाता था लेकिन अब देश दुनिया की 'पांच बड़ी' अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और यह छोटी उपलब्धि नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नालंदा अपने ज्ञान और शिक्षा के अनूठे ब्रांड की वजह से दुनिया भर में जाना जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, नालंदा का इतिहास और समृद्ध विरासत इसे दुनिया में पहचान दिलाती है। आपको इस विरासत को उच्चतर स्तर पर ले जाना है। भारत में अब एक 'ईकोसिस्टम' उभरा है जो आपको आपकी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमताओं का पूरी तरह से इस्तेमाल करने की इजाजत देता है और आप अपनी आकांक्षाएं और सपने साकार करें। उपराष्ट्रपति ने अपनी पत्नी सुदेश धनखड़ के संग विश्वविद्यालय परिसर में एक पौधा भी लगाया। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार और कुलपति अभय कुमार सिंह ने परिसर पहुंचने पर उनका स्वागत किया।

ओडिशा : भारी बारिश की संभावना, सरकार किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार

भुवनेश्वर/भाषा। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव वाला क्षेत्र बनने के बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार से ओडिशा में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिसके मद्देनजर राज्य सरकार ने इससे उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए खुद को तैयार कर लिया है।

आईएमडी ने बताया कि कम दबाव वाला यह क्षेत्र, अभी पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी के इलाके के ऊपर बना हुआ है। विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटों के दौरान यह क्षेत्र उत्तर ओडिशा और उससे सटे पश्चिम बंगाल के तटों की ओर बढ़ेगा। मौसम विभाग ने कहा कि शनिवार से पूरे ओडिशा में भारी बारिश हो सकती है, जिसकी वजह से निचले इलाकों में जलभराव, बाढ़ और कुछ जगहों पर भूस्खलन हो सकता है। विभाग के मुताबिक, 'म्यांमा और उससे सटे पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी क्षेत्र पर बृहस्पतिवार को चक्रवाती प्रभाव बढ़ गया, जिससे शुक्रवार सुबह पूर्वोत्तर व उससे सटे पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी क्षेत्र पर कम दबाव वाले क्षेत्र का निर्माण हुआ।

पंजाब में किसान आंदोलन से रेलों की आवाजाही प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/फिरोजपुर/होशियारपुर/भाषा। पंजाब में शुक्रवार को किसानों ने अपने आंदोलन के दूसरे दिन रेल पटरियों पर धरना दिया और चंडीगढ़-अंबाला-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग को सात घंटे तक अवरुद्ध किया।

प्रदर्शनकारी किसान हाल ही में आई बाढ़ में फसल के नुकसान के लिए मुआवजे, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और व्यापक कर्ज माफी की मांग कर रहे हैं। तीन दिवसीय 'रेल रोको' प्रदर्शन में शामिल किसान देवीदास पुरा में अमृतसर-दिल्ली रेलवे लाइन पर बैठ गए, जबकि होशियारपुर में आज़ाद किसान समिति दोआबा के सदस्यों ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर धरना दिया।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि कुछ ट्रेन रद्द की गई हैं जबकि अन्य कई रेलों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। आंदोलन के कारण कुछ ट्रेनों को गंतव्य से पहले समाप्त (शार्ट टर्मिनेट) किया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि फिरोजपुर रेल मंडल के अधीन आने वाले 91 रेलगाड़ियां रद्द कर दी गयी है, 48 की यात्रा गंतव्य से पहले समाप्त कर दी गयी है, जबकि 35 ट्रेन का मार्ग परिवर्तन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन के कारण 179 यात्री ट्रेन एवं 14 मालगाड़ी का परिचालन प्रभावित हुआ है। रेलवे ने यात्रियों के लिये एक हेल्पडेस्क की शुरुआत की है।

किसान नेताओं ने बताया कि पंजाब में 20 जगहों पर आंदोलन चल रहा है। इन स्थानों में फरीदकोट, समराला, मोगा, होशियारपुर, गुरदासपुर, जालंधर, तरनतारन, संगरूर, पटियाला, फिरोजपुर, बठिंडा और अमृतसर शामिल है। उन्होंने बताया कि दिन में एक बैठक में यह निर्णय किया गया कि हरियाणा के किसान भी इस आंदोलन का समर्थन करेंगे और शनिवार को अंबाला में रेल रोको आंदोलन के लिये पटरियों पर बैठेंगे। भारती किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के समर्थक किसानों का एक समूह पंजाब में लालरू के पास चंडीगढ़-अंबाला-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठ गया, किसानों ने अपने ट्रैक्टर भी राजमार्ग के किनारे खड़े कर दिए।

प्रदर्शनकारी कुछ अन्य मांगों के अलावा हाल की बाढ़ और भारी बारिश में बर्बाद हुई फसल के लिए पर्याप्त मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय संग्रहालय के साथ इतिहास का एक अंश भी मिटाया जा रहा है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'सेंट्रल विस्टा' परियोजना के तहत राष्ट्रीय संग्रहालय को खाली कराए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि 'व्यवस्थित ढंग से इतिहास मिटाने के अभियान' के तहत एक और ऐतिहासिक इमारत का अस्तित्व खत्म हो जाएगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने राष्ट्रीय संग्रहालय भवन की तस्वीरें साझा कीं और कहा कि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि दूसरे स्थान पर ले जाए जाने पर यह संग्रहालय रहेगा या नहीं।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''फिर एक और ऐतिहासिक इमारत, जो पारंपरिकता के साथ आधुनिकता को जोड़ती है, इस साल के अंत तक गायब हो जाएगी। राष्ट्रीय संग्रहालय को ध्वस्त किया जा रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि देश सिर्फ ऐतिहासिक इमारत ही नहीं खो रहा है, बल्कि इतिहास का एक अंश भी खो रहा है, जो इतिहास को व्यवस्थित ढंग से मिटाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य के तहत हो रहा है।

भारत वर्ष 2030 तक 6.5% की औसत वृद्धि दर की राह पर: नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2023 और 2030 के बीच 6.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ने की राह पर अग्रसर है।

नागेश्वरन ने यहां 'बीसीसीएंडआई इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक' संगोष्ठी में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर से गुजरने वाली है। ऐसे समय में भारत को वैश्विक आपूर्ति शृंखला का हिस्सा बनना है और चीन-प्लस वन रणनीति के लिए उसे खुद को आकर्षक बनाना होगा। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2021-22 में हमारी वृद्धि 9.1 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2022-23 में 7.2 प्रतिशत रही थी। हम इस वर्ष और दशक के बाकी समय में औसतन 6.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि के लिए तैयार हैं। मैं 6.5 प्रतिशत की ही बात क्यों कर रहा हूं, 7.5 या आठ प्रतिशत की क्यों नहीं? इसकी वजह यह है कि हम 2003-08 के दौर में रही वैश्विक वृद्धि जैसा अनुभव इस समय नहीं कर रहे हैं।' मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि भारत ने पिछले आठ वर्षों में काफी प्रगति की है और वर्ष 2014 में 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था से अब यह पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि इस दशक के अंत में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नागेश्वरन ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर से गुजरने वाली है। भू-राजनीतिक विखंडन, भू-आर्थिक अक्षमताएं और वैश्वीकरण की प्रवृत्ति में उलटफेर जैसे कारक वर्तमान में देखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी वृद्धि संभावनाओं को लेकर यथार्थवादी हैं। वास्तविक संदर्भ में 6.5 प्रतिशत और मौजूदा मूल्य पर 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ भारत की वृद्धि दर दुनिया की सबसे ऊंची वृद्धि दर में से एक होगी।

नागेश्वरन ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने और वैश्विक विनिर्माण में देश के योगदान की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें अपनी मूल्य शृंखलाएं बनानी होंगी जो वैश्विक तनावों से बेअसर हों... हमें खुद को वैश्विक आपूर्ति शृंखला में शामिल करने और चीन-प्लस वन रणनीति के लिए खुद को आकर्षक बनाने की जरूरत है।'

मैनपुरी में उपचार में लापरवाही से छात्रा की मौत, शव बाहर फेंकने पर अस्पताल 'सील', पंजीकरण रद्द

मैनपुरी/लखनऊ(उप्र)/भाषा। मैनपुरी में कथित तौर पर उपचार में लापरवाही बरतने के कारण एक नाबालिग छात्रा की मौत होने और उसके शव को अस्पताल से बाहर फेंकने के मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित राधा स्वामी अस्पताल को 'सील' कर उसके लाइसेंस को रद्द कर दिया गया है। यह कार्रवाई स्वास्थ्य और चिकित्सा विभाग संभाल रहे राज्य के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर की गयी। पाठक ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर कहा, ''राधा स्वामी अस्पताल, मैनपुरी में शव को बाइक पर रखने संबंधी मामले के संज्ञान में आते ही मुख्य चिकित्साधिकारी, मैनपुरी को इस संबंध में तत्काल कठोर कार्रवाई किये जाने के आदेश दिये गये हैं। इस संबंध में नोडल अधिकारी की प्राथमिक जांच की रिपोर्ट के क्रम में करहल रोड पर स्थित उक्त राधास्वामी अस्पताल को सील कर दिया गया है।'' इसी पोस्ट में पाठक ने कहा अस्पताल प्रशासन को नोटिस जारी करते हुए उक्त अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, घिरोर में भर्ती करा दिया गया है एवं अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करते हुए मामले की विस्तृत जांच के लिए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) की अध्यक्षता में दो सदस्यीय समिति गठित कर दी गयी है। मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी से 1 सप्ताह के अन्दर रिपोर्ट मांगी गयी है।

मथुरा में आठ साल की दलित बच्ची से दुष्कर्म मामले में पड़ोसी गिरफ्तार

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले के महावन थाना क्षेत्र में दलित समुदाय की आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शैलेष कुमार पाण्डेय ने बताया कि पांच दिन पूर्व महावन में आठ वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म मामले में आरोपी को पकड़ लिया गया है। आरोपी रंजीत उसके पड़ोस में रहता है और बच्ची उसे चाचा बुलाती थी। जब बच्ची गांव में ही बन रहे अपने नए घर की ओर जा रही थी, तभी आरोपी उसे फुसला कर अपने साथ ले गया था और दुष्कर्म के बाद बच्ची को उसी हालत में छोड़कर फरार हो गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपी रंजीत पहले भी इस प्रकार की हरकतें कर चुका था। उसके खिलाफ सभी प्रकार के वैज्ञानिक सबूत जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया।

हैदराबाद में विश्व कप मैचों के आयोजन का रास्ता साफ

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) के बैंक खाते को फिर से चालू करने का आदेश दिया, जिससे इस शहर में विश्व कप मैचों के आयोजन को लेकर बनी अनिश्चितता भी खत्म हो गई। विश्व कप के इन मैचों के मेजबान एचसीए का संचालन चयनित पदाधिकारियों की गैर मौजूदगी में उच्चतम न्यायालय से नियुक्त एक सदस्यीय समिति कर रही है। एचसीए ने बैंक खातों को चालू करने के लिए बुधवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। एक निचली अदालत ने इन खातों में लेन देन रोकने का आदेश दिया था। एचसीए के सीईओ सुनील कांते ने पीटीआई को बताया, ''अदालत का आदेश आ गया है और बैंक खाता चालू हो गया है।'' इसके परिणाम स्वरूप पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच विश्व कप का शुरुआती अभ्यास मैच सुचारू रूप से आयोजित किया गया।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भाजपा ने बंगाल सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की और आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य महिलाओं के लिए 'बम, गोली और अन्याय की भूमि' बन गया है। पार्टी का यह हमला पश्चिम बंगाल के उत्तर 24-परगना जिले के एक बाग में मंगलवार को खून से लथपथ एक युवती का अज्ञात शव मिलने के बाद आया है।

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''मैं हैरान हूं... पश्चिम बंगाल से एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है। यह याद दिलाता है कि कैसे बंगाल में महिलाओं के खिलाफ लगातार अपराध हो रहे हैं।'' उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया, ''मां, माटी, मानुष की बात करने वाली ममता बनर्जी ने आज राज्य को बम, गोली और बेटी के साथ अन्याय की भूमि बना दिया है।'' इस घटना को लेकर बनर्जी पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने 'एक्स' पर महिला के आंशिक रूप से जले हुए शरीर की एक कथित वीडियो क्लिप साझा की और लिखा, ''पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की यही स्थिति है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन ममता बनर्जी एक शब्द भी नहीं बोलेंगी।''

उन्होंने आरोप लगाया कि अगर 'तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण वाले और महिला तस्करी में शामिल अपराधी' इसके पीछे हैं तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

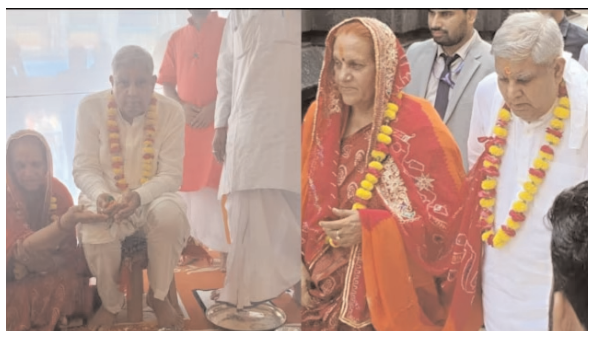

उपराष्ट्रपति ने गया के विष्णुपद मंदिर में पिंडदान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गया (बिहार)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ ने अपने पूर्वजों की आत्मा के मोक्ष के लिए शुक्रवार को यहां के एक मंदिर में 'पिंडदान' किया। धनखड़ ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनके मोक्ष के लिए जिले के विष्णुपद मंदिर में 'पिंडदान' और 'जल तर्पण' किया।

इससे पहले, उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी आज सुबह गया हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर, राज्य के कृषि मंत्री सर्वजीत और सांसद (गया) विजय मांझी ने उनका स्वागत किया। उपराष्ट्रपति को गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। विष्णुपद मंदिर में पिंडदान और तर्पण के बाद धनखड़ नालंदा विश्वविद्यालय जाएंगे। उपराष्ट्रपति एक ओपन हाउस सत्र में नालंदा विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे।

गया में शुक्रवार से शुरू हुए 'पितृ पक्ष' के दौरान 'पितृ' पूजा और 'पिंडदान' करना पुण्य का काम माना जाता है, माना जाता है कि जो लोग ऐसा करते हैं उन्हें 'पितृ दोष' से छुटकारा मिल जाता है तथा इन धार्मिक कार्यों को करने से उनके पितरों को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिल जाती है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। गया के विष्णुपद मंदिर में हर साल पितृ पक्ष मेले का आयोजन किया जाता है। हर साल दुनिया भर से बड़ी संख्या में हिंदू धर्म को मानने वाले लोग पितृ पक्ष के दौरान 'पिंडदान' करने के लिए यहां आते हैं।

'क्या राहुल गांधी राजस्थान में महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर बोलेंगे और गहलोत का इस्तीफा मांगेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने राजस्थान में महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या वह इन मुद्दों पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बात करेंगे और उनसे इस्तीफा देने को कहेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी से अपनी चुप्पी तोड़ने और गहलोत के नेतृत्व में अपनी पार्टी की राज्य सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने को कहा। जयपुर के एक गांव में शुक्रवार को सड़क के किनारे एक महिला का आंशिक रूप से जला हुआ शव मिला था। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है।

पूनावाला ने हाल के दिनों में राज्य में दर्ज हत्या, बलात्कार और अन्य अपराधों के कई अन्य मामलों का भी हवाला दिया और दावा किया, ''यह सिर्फ घटना नहीं है... मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान महिलाओं के खिलाफ अपराध में देश में शीर्ष पर है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में कांग्रेस के साढ़े चार साल के शासन में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कहा, ''प्रियंका गांधी ने नारा दिया था 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' लेकिन राजस्थान में महिलाएं आज पूछ रही हैं कि 'लड़की हूं तो क्या राजस्थान में बच सकती हूं?''

पर्यावरण की रक्षा करके ही विकास लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है: राज्यपाल शुक्ल

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शुक्रवार को कहा कि पर्यावरण संरक्षण को विकास का पूर्ववर्ती होना चाहिए क्योंकि विकास लक्ष्यों को केवल तभी हासिल किया जा सकता है जब पर्यावरण की सुरक्षा की जाए। शुक्ल 'हिमाचल प्रदेश को हरित और स्वच्छ ऊर्जा की राजधानी बनाना' विषय पर आयोजित चौथे 'भारतीय उद्योग परिसंघ पावर कॉन्क्लेव' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''यदि हम प्रकृति का दोहन जारी रखेंगे और पर्यावरण का संरक्षण नहीं करेंगे तो हम विकास नहीं कर सकते।''

राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को हाल ही में बारिश से उत्पन्न आपदाओं के दौरान पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ के परिणामों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार तथा जलविद्युत विकासकर्ताओं, दोनों को इस पर विचार करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्यावरण पर विपरीत असर ना पड़े। शुक्ल के मुताबिक, यदि हम प्रकृति का संरक्षण किये बगैर जलविद्युत क्षमताओं का दोहन करना जारी रखते हैं तो सतत विकास मुश्किल हो जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने मलेशिया को 6-0 से रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों में अपना दबदबा कायम करते हुए मलेशिया को 6-0 से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने पूल ए के इस मैच के शुरुआती क्वार्टर में ही चार गोल दाग कर मलेशिया पर दबाव बना दिया।

मोनिका (सातवें मिनट) ने भारत का खाता खोला जिसके बाद उप-कप्तान दीप ग्रेस एक्का (आठवें), नवनीत कौर (11वें), वैष्णवी विट्ठल फाल्के (15वें), संगीता कुमारी (24वें) और लालरेम्सियामी (50वें) ने भी गोल किये। सिंगापुर पर 13-0 की जीत के बाद आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रख कर पूरे मैच के दौरान मलेशिया पर हावी रही। मोनिका ने सातवें मिनट में मैदानी गोल करके भारत का खाता खोला जबकि दीप ग्रेस ने एक मिनट के बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। मैच के 10वें मिनट में लालरेमसियामी का शॉट गोल पोस्ट के बाहर से निकल गया। इसके एक मिनट के बाद दीप ग्रेस रिवर्स शॉट लगाने में विफल रही लेकिन नवनीत के सर्कल के अंदर शानदार खेल के दम पर भारतीय टीम को 3-0 से आगे कर दिया। टीम को 15वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और वैष्णवी ने इसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

संगीता ने मैच के 24वें मिनट में भारतीय टीम को 5-0 से आगे कर दिया। नेहा गेंद को लेकर डी के अंदर पहुंची और उन्होंने गेंद संगीता को दे दी। संगीता ने रिवर्स हिट से गोल कर दिया। टीम को 27वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन दीपिका के प्रयास पर मलेशिया की गोलकीपर एबी मशिताह ने बेहतरीन बचाव किया। मध्यांतर से पहले भारत को एक और ऐसा मौका मिला लेकिन टीम ने इसे भी जाया कर दिया। मध्यांतर के बाद मलेशिया की टीम ने अपने खेल में काफी सुधार किया। टीम ने अपना रक्षण मजबूत करने के साथ भारत के खिलाफ आक्रमण को तेज किया। मैच के 38वें मिनट में दीपिका ने रिवर्स हिट पर गोल किया लेकिन वीडियो अंपायर ने इसे खारिज कर दिया क्योंकि शॉट लगाते समय वह सर्किल से बाहर थी। इसके बाद टीम को एक के बाद एक कई पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन उसने सभी मौके गंवा दिये। मैच के 50 मिनट में लालरेमसियामी के मैदानी गोल ने भारतीय टीम को 6-0 से आगे कर दिया। भारत के पास इसके बाद इस बढ़त को बढाने का मौका था। टीम ने दो पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किये लेकिन इसका फायदा नहीं हुआ। भारतीय टीम अपने अगले पूल मैच में रविवार को कोरिया का सामना करेगी।

चोटिल अक्षर की जगह चहल या वाशिंगटन को चुना जाना चाहिए था: युवराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप 2011 के नायक रहे युवराज सिंह का मानना है कि भारतीय टीम बेहतरीन खिलाड़ियों से भरी हुई है लेकिन घरेलू टीम के लाइन अप में चोटिल अक्षर पटेल की जगह कलाई के स्पिनर युजवेंद्र चहल या वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया जाना चाहिए था। चोट के कारण आल राउंडर अक्षर विश्व कप में नहीं खेल पायेंगे जिससे टीम प्रबंधन ने उनकी जगह सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया है।

रविचंद्रन अश्विन को आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया था और अंत में उन्हें अंतिम 15 खिलाड़ियों की टीम में चुना गया जबकि चहल और वाशिंगटन ऐसा करने से चूक गये। युवराज ने पीटीआई से कहा, ''मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि इस टीम में युजवेंद्र चहल की कमी है। मुझे लगता है कि इस टीम में एक लेग स्पिनर की कमी है। '' उन्होंने कहा, ''अगर हम युजी को नहीं चुन रहे हैं तो मैं वाशिंगटन सुंदर को टीम में देखने का इच्छुक था। लेकिन टीम शायद एक अनुभवी गेंदबाज चाहती थी इसलिये मुझे लगता है कि उन्होंने रविचंद्रन अश्विन को चुना।'' इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज को लगता है कि विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन का भारत के अभियान पर काफी असर पड़ेगा।

सुविचार

नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल देते हैं, और कामयाब लोग अपने फैसले से पूरी दुनिया बदल देते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नापाक जाल तार-तार

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के नापाक जाल को उत्तर प्रदेश पुलिस का आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) तार-तार कर रहा है। इसने जिस तरह पड़ोसी देश के खुफिया नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए कार्रवाई की है, वह सराहनीय है। वहीं, चिंता की बात यह है कि हमारे देश के कई लोग आईएसआई के जाल में फंसकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ीं अहम जानकारियों का सौदा करते पाए गए हैं। उन पर एटीएस ने शिकंजा जरूर कसा है, लेकिन बड़ा सवाल है- ये लोग इतनी आसानी से शत्रु देश के पाले में क्यों खड़े हो गए? उप्र एटीएस ने हाल में आईएसआई के लिए भारतीय सेना की जासूसी करने के आरोप में कासगंज जिले के पटियाली थाना क्षेत्र के जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया, वह पूर्व में सेना में काम कर चुका है। हालांकि वह सिर्फ नौ महीने तक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना में अस्थायी कर्मचारी के रूप में कार्यरत रहा, लेकिन इतनी कम अवधि में भी किसी व्यक्ति के पास ऐसी जानकारी हो सकती है, जो अगर शत्रु देश के हाथ लग जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। इन दिनों आईएसआई अपने 'शिकार' को फंसाने के लिए सोशल मीडिया का बड़ा ही शातिराना इस्तेमाल कर रही है। इसके लिए फेसबुक या वॉट्सऐप पर ऐसी प्रोफाइल ढूंढ़ी जाती हैं, जो किसी न किसी तरह से जाल में फंस सकती हैं। इसके लिए 'रूपजाल' का दांव खेला जाता है। धन का भी प्रलोभन दिया जाता है। जो व्यक्ति इनमें से किसी एक चीज में दिलचस्पी दिखाकर एक बार भी 'झुक' जाता है, फिर उसका बार-बार इस्तेमाल होता है। अगर वह जानकारी देने से इन्कार करता है, तो उसे ब्लैकमेल किया जाता है। आईएसआई के लिए यह काम तुलनात्मक रूप से बहुत सस्ता पड़ता है, क्योंकि इसके लिए उसे किसी पाकिस्तानी नागरिक को कहीं भेजने की जरूरत नहीं होती। खास जोखिम नहीं होता। बस, मोबाइल फोन पर ही संवेदनशील जानकारी मिल जाती है। अगर उसका शिकार स्थानीय पुलिस या अन्य जांच एजेंसियों द्वारा पकड़ा जाता है, तो उसे 'मृत' मानकर कोई दूसरा शिकार ढूंढ़ा जाता है।

दु:खद है कि शत्रु के जाल में ऐसे 'शिकार' फंसते जा रहे हैं। न जाने वे अब तक कितनी संवेदनशील जानकारी साझा कर चुके होंगे! अगर ऐसे मामलों का विश्लेषण किया जाए तो इनके मूल में इन्सान का 'लालच' है। लालची प्रवृत्ति के लोग किसी भी क्षेत्र में हो सकते हैं। जब उन्हें शत्रु एजेंसियां थोड़ा-सा प्रलोभन देती हैं तो वे अपनी असलियत दिखा देते हैं। वहीं, सामान्य लोग ब्लैकमेल होने के बाद उनके जाल में फंसते जाते हैं। लिहाजा हर किसी को आईएसआई जैसी एजेंसियों के हथकंडों की जानकारी होनी ही चाहिए। यह ध्यान रखें कि शत्रु एजेंसियां जब किसी व्यक्ति को शिकार बनाने के लिए दांव चलती हैं तो जरूरी नहीं कि वह (व्यक्ति) सैन्य पृष्ठभूमि से ही हो। आम लोगों को भी विभिन्न तरीकों से फंसाया जाता है। उप्र एटीएस ने जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया, उससे 'हरलीन कौर' नामक महिला ने फेसबुक पर संपर्क किया था। उसके बाद वह 'प्रीति' नामक महिला के संपर्क में आया। उससे वॉट्सऐप पर ऑडियो कॉल करने लगा। फिर वह धन के लालच में आकर सेना से जुड़े महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की लोकेशन, गाड़ियों की आवाजाही के फोटो भेजने लगा। ये तस्वीरें हरलीन कौर को भी भेजीं। अगर कोई सामान्य व्यक्ति, जिसे आईएसआई के इन हथकंडों की जानकारी नहीं है, तो वह भी महिलाओं के नाम से बनाई गईं इन सोशल मीडिया प्रोफाइल्स के झांसे में आ सकता है। उप्र और पंजाब पुलिस ने हाल में ऐसी कई सोशल मीडिया प्रोफाइल्स के लिंक सार्वजनिक किए थे, जिनका संचालन पाकिस्तानी एजेंटों द्वारा किया जा रहा था। उन्हें देखकर सामान्य व्यक्ति को जरा भी संदेह नहीं होता कि ये पाकिस्तानी एजेंटों के अकाउंट हैं। वहीं, उन 'महिलाओं' की तस्वीरों को लाइक कर वहां टिप्पणी करने वाले लगभग सभी युवक भारतीय थे। वे उनकी खूबसूरती की तारीफों के पुल बांध रहे थे। उन्हें अंदाजा नहीं होगा कि वे अनजाने में किस जाल में फंसने जा रहे हैं! देशवासियों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति से जुड़ने से बचें। अगर वह व्यक्ति कोई जानकारी मांगे तो सतर्क रहें तथा उसकी सूचना पुलिस को दें। नागरिकों की सतर्कता से ही शत्रु एजेंसियों का यह जाल काटा सकता है।

ट्वीटर टॉक

कानोता इलाके में महिला का अधजला शव मिलने की सूचना मिली है।सरकार कानून व्यवस्था बनाये रखने में असफल हो चुकी है। अपराधियों के मन में पुलिस का भय पूर्णतः समाप्त हो चुका। प्रदेश को जंगलराज से बचाने के लिये निकम्मी सरकार को दिसम्बर में उखाड़ फेंकना है।

–सतीश पूनिया

महिलाओं के लिए असुरक्षित राजस्थान, जमवारामगढ़ में महिला की जली लाश मिलना तो डिग के कैथवाड़ा में पुलिस थाने के क्वार्टर में दुष्कर्म की घटना शर्मसार करने वाली है। प्रदेश को जंगलराज बनाने वाली कांग्रेस फिर भी सरकार बनाने का दावा करती है बात क्या होगी।

–सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

सच्चा स्वयंसेवक

उन दिनों दिल्ली में अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का अधिवेशन चल रहा था। चारों ओर काफी चहल-पहल थी। साहित्यिक महारथी साफ-सुथरे व चमकदार कपड़ों में अपनी साहित्यिक गतिविधियों में लगे थे। वे लोग स्वयंसेवकों को बुरा-भला कहते और व्यवस्था में खामियां निकालते हुए इधर-उधर घूम रहे थे। कुछ ही देर में इन साहित्यकारों की शोभायात्रा निकलने वाली था, जिसकी तैयारी जोर-शोर से हो रही थी। ऐसे समय सभी अध्यक्ष राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन को खोज रहे थे। जुलूस का समय हो रहा था और वे अब तक नहीं आए थे। कुछ साहित्यिक महारथी दौड़कर राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के निवास स्थान पर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि राजर्षि अपने खादी के वस्त्र धो रहे हैं। एक सज्जन बोल उठे, 'बाबूजी, प्रतिनिधियों के कपड़े धोने के लिए धोबी की व्यवस्था है। आप स्वयं यह मामूली काम क्यों कर रहे हैं? उधर जुलूस में भी विलंब हो रहा है।' राजर्षि ने सहजता से उत्तर दिया, 'क्या मेरे बिना जुलूस नहीं निकल सकता? और हां, जिसे तुम मामूली काम कह रहे हो, वह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सामयिक

समकालीन दौर में मीडिया और समाज

राजश्री राठी

वर्तमान दौर में सूरज नित नए अविष्कारों के साथ अपनी स्वर्णिम किरणों की आभा बिखेर रहा है। किरणों के धरा पर आने से तम का राज मिट जाता है। वे हमें गतिमान होने के लिए प्रतिपल प्रेरित करती हैं। प्रकृति की ओर से मानो एक संदेश मिल रहा है, जागो! यह भोर तुम्हारे पंखों में हौसला भर तुम्हें गगन छूने के लिए प्रेरित कर रही है।

वस्तुस्थिति चाहे जो भी हो, हर सिक्के के दो पहलू होते ही हैं। मानव एक बुद्धिजीवी प्राणी है। उसे अपने उज्वल भविष्य निर्माण हेतु कौनसी दिशा तय करना है, इसका निर्णय तो उसे स्वयं ही लेना होगा। पथ चाहे काँटो से भरा हो, परंतु हम अपना हर कदम उन काँटो से बचाते हुए चलकर मंजिल तक पहुँच ही जाते हैं। मीडिया द्वारा हमें जो जानकारी मिल रही है उसका विश्लेषण किया जाए तो हम पाएंगे कि विकास का कोई भी क्षेत्र सोशल मीडिया से अछूता नहीं है। सोशल मीडिया द्वारा प्रसारित कौन कौनसी बातों को हमें आत्मसात करना है और कौनसी निरर्थक दिग्भ्रमित करनेवाली बातों को परे रखना चाहिए, इसका मूल्यांकन करना होगा। विज्ञान विभाग द्वारा जो अनेकों सराहनीय उपक्रम हो रहे है एवं अन्य सभी दिशाओं में प्रगति की राह खुली हैं, जनसमुदाय तक इसकी खबरें पहुँच रही हैं, इसका श्रेय भी मीडिया को ही जाता है। आज एक देहात में रहनेवाला परिवार भी देश दुनिया के खबरों की जानकारी रख पा रहा है जिससे उसका सर्वांगीण विकास संभव हो रहा है।

हिन्दुस्तान की कितनी ही जनता असुविधाओं और अभावों में जीवनयापन कर रही है जिन्हें दो वक्त की रोटी भी सुकून से नसीब नहीं होती। किंतु ऐसे अनेक परिवार आज ऊंचाइयों के शिखर छू रहे हैं। देश के कुछ बेबस, मजबूर लोगों के हिस्से में केवल गरीबी और अंधियारा था, ऐसे घर आँगन में भी आज खुशियों के दीप जल रहे हैं। क्या मीडिया की अनुपस्थिति में यह संभव था?हाल ही में कोविड 19 से आई विपदा ने सम्पूर्ण देश की बागडोर विचलित कर दी थी। मीडिया ने हमें काफी पहले चीन में आई इस विपदा से आगाह करा दिया था किंतु प्यास लगने पर ही कुआँ खोदने की हमारी मनोवृति बनी है। हर क्षेत्र मीडिया के जरिए अपनी गतिविधियों को सुचारू रूप से अंजाम दे रहे हैं। शैक्षणिक संस्थाएं भी संकट की स्थिति में बच्चों के लिए ऑनलाइन अभ्यास क्रम जारी रख उन्हें जितनी सुविधा दे सकते हैं उस हेतु प्रयासरत थे, जिससे बच्चों को सुविधा हुई और उनका शैक्षणिक वर्ष बर्बाद नहीं हुआ। कोरोना विषाणु के प्रादुर्भाव से देश की गरीब जनता तक भोजन व्यवस्था पहुँचाने में सरकार के साथ ही अन्य समाज के छोटे छोटे समूहों का भी योगदान सराहनीय रहा। कोई एक संस्था नेक कार्य करती है, मीडिया में उसकी खबर देखते ही अन्य संस्थाएं भी इससे प्रेरित होकर सत्कर्म के लिए आगे आ रह थी।

अख़बारों के जरिए लेखकगण अपने भीतर दबी हुई जनहितार्थ भावनाएँ जब पन्नों पर उकेरते हैं तो ना जाने कितने ही लोगों पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्वयं की सोच जिस दिशा में ले जाती है व्यक्ति वही कार्य करता है, किंतु कई बार किसी कलम के माध्यम से सुंदर विचारों के मोती शतप्रतिशत उसकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर भीतर नई ऊर्जा संचारित करते हैं।

आज देश विदेश की अनेक महान हस्तियाँ अपने द्वारा किए गए अच्छे कार्यों का बखान करना पसंद नहीं करती। उदाहरण के तौर पर देखें तो बिलगेट्स, रतन टाटा, वारेन बफेट, अजीम प्रेमजी ऐसे कितने ही महानुभावों द्वारा जनहिथार्थ कार्य निरंतर रूप से जारी रहते हैं। सोशल साइट्स द्वारा देखा जाए तो इनके कार्यों की विस्तारित सूची देखने मिलती है जिससे प्रेरित हो युवा वर्ग प्रगति के ओर बढ़ रहा है। आज के युवाओं की सोच संकुचित नहीं है, बल्कि उनके भीतर परोपकार, दान धर्म, बेबस को सहायता करना, यह सारे गुण मौजूद हैं और वह बिना प्रचार और प्रसार के सेवा दे रहे हैं।

मोटिवेशनल भाषण, जिसका हर वर्ग पर गहरा प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति अपनी सोच के साथ ही संसार को बदल रहा है। यह बेहतरीन उपक्रम और जनसमुदाय में बदलाव लाने का श्रेय मीडिया को जाता है।व्यावसायिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विस्तार हो रहा है, थोड़ी सूझबूझ से जरूरतमंदों को बिना लागत के ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करना संभव हुआ। कितनी ही बार मीडिया शांति दूत का कार्य करता है। आर्थिक स्थिति निवेश के अलग अलग माध्यम, हर आयु वर्ग को भविष्य हेतु लाभदायक जानकारी, स्त्री वर्गो में जागरूकता लाने के प्रयास, कितनी ही महिलाएं हैं जिन्हे अपने आर्थिक स्थिति की जैसे बैंक अकाउंट, बीमा पॉलिसी, शेअर इन सबकी जानकारी नहीं होती। कुछ अनहोनी होने पर या विपदा की स्थिति में वह अपने अज्ञान के चलते बेबस हो जाती है, उन्हें जागरूक करने के लिए बार बार यह खबरें छपती है। आज के युग में आवश्यकता है स्मार्ट नारी की, जो घर के साथ बाहरी दुनिया से भी कदमताल मिलाकर चल सके।

समय की बचत का सर्वोत्तम जरिया आज मीडिया बन चुका है। जहा घंटों कतार में खड़े होकर हमें अपने कार्य करने होते थे जैसे आरक्षण, बिल भुगतान, बैंकों के कार्य, व्यवसाय में लेनदेन, खरीदी सम्बन्धित कार्य तथा पर्यटन स्थलों पर जाते हैं तो सारी बुकिंग आज मिनटों में बिना परेशानी के हो रही है। यहाँ तक कि सामाजिक कार्यक्रम, किसी के घर कोई दुखद घटना होती है तो एक संदेश द्वारा पूरा समाज एकत्रित हो जाता है। मोबाइल का उपयोग निर्भर करता है कि हम कैसे उपयोग करते हैं। हमारे संस्कार कैसे हैं, हमने बच्चों की परवरिश कैसे की है, यह सब मायने रखता है। जो लोग मीडिया का विरोध करते हैं, क्या वह उसके उपयोग से अपने आप को बचा पाते हैं ? तो फिर क्यों आक्षेप किया जाता है?

विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण एक नैसर्गिक प्रक्रिया है। धार्मिक ग्रंथों को देखा जाए, ऐतिहासिक मुद्दों का विश्लेषण किया जाए तो पता चलता है कि नर-नारी का एकदूजे के प्रति सम्मोहन रहना, यह सदियों से चलता आ रहा है। इसके लिए मीडिया पर दोषारोपण करना सही नहीं। इकतरफा प्यार में होनेवाली घटनाओं का प्रमाण पहले भी खराब ही आते थे। फ़र्क बस इतना है कि पहले भय, लज्जा, संकोच के चलते यह खबरें छुप जाती थी और आज छप जाती है। किसी चीज को छुपाना प्रगति के मार्ग में बाधा लाने जैसे ही है। आज तेजाब हमले, दुष्कर्म के हादसे बढ़ रहे हैं मीडिया के माध्यम से जनता तक यह खबरें पहुंच रही है। सामूहिक विरोध के चलते कानून व्यवस्था कड़ी की जा रही है। इन घटनाओं का मीडिया द्वारा बढ़ चढ़ कर प्रसार होता भी है तो इसमें गलत क्या है। समाज में शोषण करनेवाले सफेद नकाबपोशों की सच्चाई उजागर होनी ही चाहिए वरना समाज दूषित होता ही रहेगा और इसमें स्त्री जाती का शोषण जारी रहेगा। हर बुद्धिजीवी की फितरत एक सी नहीं होती आज नाबालिग पर जो अत्याचार शैक्षणिक संस्थाओं में, क्रीड़ा जगत में, यातायात के संसाधनों में होता है। मीडिया द्वारा ही समाज तक यह वार्ताएँ पहुँच पाती हैं, जिससे समाज में स्थायी परिवार अपने बेटियों में जागरूकता ला रहा है। गुनहगार के ऊपर कार्यवाही की जा रही है। तेजाब हमलों में झुलसी हुई युवतियों की दर्दे दास्तान जब हम पढ़ते हैं, उस हादसे को सहकर कर वह किस तरह आगे बढ़ अपना मुकाम हासिल करती है। यह उसी तरह कोई हादसे का शिकार हुई युवती जब पढ़ती है तो उसे गिरकर संभलने की हिम्मत आती है वह टूटकर बिखरने की बजाय साहस से आगे बढ़ती है। देश की कितनी ही आबादी दिव्यांग है। आज वह भी अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाकर प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, जिनकी सराहना शब्दों में करना संभव ही नहीं। ऐसे एक घटना पढ़कर ना जाने कितने ही विकलांग उससे प्रेरित होते है और उनके जीवन में आशा के दीप रोशनी बिखेरते है। हर अच्छी घटनाएँ जनता तक पहुँचाने में मीडिया की अहम भूमिका है। परिवार-समाज इनके अस्तित्व की बुनियाद मात्र संवेदनाओं के आधार पर नहीं रखी जा सकती रोटी, कपड़ा, मकान के अतिरिक्त भी मनुष्य की आवश्यकताएं हैं। युवावर्ग अपना अधिक से अधिक समय आजकल सोशल साइट्स द्वारा धनार्जन करने में बीता रहा है,वह अपने परिवार से दूर भले ही रहता हो लेकिन अभिभावकों की सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रख रहे हैं। माता-पिता के सभी जरूरी कार्य ऑनलाइन कर वह बखूबी अपना दायित्व निभा रहा है। जीवन से परिचित होने के दो पहलू है, एक सकारात्मक सोच, दूसरी नकारात्मक सोच। एक प्रगति की राह बताती है,वहीं दूसरी पतन की। अब किस पथ के राही बनें यह निर्णय हमें लेना होगा। मीडिया भी वर्तमान युग के प्रगति हेतु मानव को मिली हुई अमूल्य सौगात है। आत्मविश्वास के साथ अपने पंखों में हौसला भर अब गगन छूने का प्रयास करेंगे तभी परिवार, समाज और राष्ट्र की उन्नति होगी।

चिंतन

क्यों पानी के लिए फिर लड़ रहे तमिलनाडु और कर्नाटक?

रवि शंकर
मोबाइल : 9221232130

कावेरी नदी के जल बंटवारे का मुद्दा लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। तमिलनाडु और कर्नाटक में लोग पानी के लिए धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कावेरी जल विवाद के चलते मंगलवार को बेंगलूरु में बंद रहा। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने आज 29 सितंबर 2023 से पूरे राज्य में बंद करने आह्वान किया है जिसकों वहां के मुख्य विरोधी दल भाजपा व जेडीएस भी समर्थन कर रहे हैं। दरअसल दोनों राज्यों के बीच यह जंग लगभग 140 साल पुरानी है। मामला निचली अदालतों से लेकर देश की उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा लेकिन विवाद खत्म नहीं हो सका। कावेरी नदी कर्नाटक के कोडागु जिले से निकलती है और तमिलनाडु व पुडुचेरी से होती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी नदी की लंबाई तकरीबन 750 किलोमीटर है। ये नदी कुशालनगर, मैसूरु, श्रीरंगापटना, त्रिरुचिरापल्ली, तंजावुर और मइलादुथुरई जैसे शहरों से गुजरती हुई तमिलनाडु से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी बेसिन का कुल जलसंभरण (वाटरशेड) 81,155 वर्ग किलोमीटर है जिनमें से कर्नाटक में नदी का जल संभरण क्षेत्र सबसे ज्यादा लगभग 34,273 वर्ग किलोमीटर है। केरल में कुल जल संभरण क्षेत्र 2,866 वर्ग किलोमीटर है। तमिलनाडु और पांडिचेरी में शेष 44,016 वर्ग किलोमीटर जल संभरण क्षेत्र है। जब कावेरी तमिलनाडु की ओर आती है तो यहां नदी की मुख्यधारा में मेट्टुर बांध बनाया गया है। कावेरी के साथ कबिनी और मेट्टूर बांध के संगम के बीच केन्द्रीय जल आयोग ने मुख्य कावेरी नदी पर दो जीएंडडी स्थलों यानी कोलेगल और बिलीगुंडलू की स्थापना की है। बिलीगुंडुलू जीएंडडी स्थल मेट्टूर बांध के तहत लगभग 60 किलोमीटर है जहां कावेरी नदी कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ सीमा बनाती है।कावेरी जल बंटवारा विवाद लंबे समय से कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच एक भावनात्मक मुद्दा बना हुआ है। यह विवाद सबसे पहले 1881 में शुरू हुआ था, जब तत्कालीन मैसूरु राज्य (अब कर्नाटक) ने कावेरी नदी पर बांध बनाने का फैसला किया। लेकिन मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) इस पर आपत्ति जताई। सालों तक ऐसे ही विवाद चलता रहा। फिर 1924 में ब्रिटिशर्स की मदद से एक समझौता हुआ। समझौते के तहत कर्नाटक को कावेरी नदी का 177 टीएमसी और तमिलनाडु को 556 टीएमसी पानी मिला। टीएमसी यानी, हजार मिलियन क्यूबिक फीट। इसके बाद भी विवाद पूरी तरह नहीं सुलझ सका।

आजादी के बाद 1972 में केंद्र सरकार ने एक कमेटी बनाई। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कावेरी नदी के पानी के चारों दावेदारों (तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी) के बीच 1976 में एक समझौता हुआ। लेकिन इस समझौते का पालन नहीं हुआ और विवाद चलता रहा। 90 के दशक में विवाद बढ़ता चला गया। तो 2 जून 1990 को कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल का गठन किया गया। कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल के 2007 में दिए गए फैसले से पहले कर्नाटक 465 टीएमसी पानी मांग रहा था, जबकि तमिलनाडु को 562 टीएमसी चाहिए था।

ट्रिब्यूनल ने कहा कि कर्नाटक को सालाना 270 टीएमसी और तमिलनाडु को 419 टीएमसी पानी मिलेगा। केरल को 30 टीएमसी और पुडुचेरी को 7 टीएमसी पानी देने को कहा गया। जल शक्ति मंत्रालय के जलसंसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के मुताबिक, किसी विशेष महीने के संदर्भ में चार बराबर किस्तों में चार सप्ताहों में पानी छोड़ा जाना होता है। यदि किसी सप्ताह में पानी की अपेक्षित मात्रा को जारी करना संभव नहीं हो तो उस कमी को पूरा करने के लिए बाद के सप्ताह में छोड़ा जाएगा। वहीं विनियमित तरीके से तमिलनाडु द्वारा पुडुचेरी के काराइकेल क्षेत्र के लिए जल दिया जाएगा। सीडब्लूडीटी बनने के बाद भी तमिलनाडु और कर्नाटक में कई मुद्दों को लेकर विवाद जारी रहा। कोई भी राज्य खुश नहीं था। तमिलनाडु ने ट्रिब्यूनल के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। बाद में कर्नाटक सरकार भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। फरवरी, 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कर्नाटक को जून से मई के बीच तमिलनाडु के लिए 177 टीएमसी पानी छोड़ने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अंतिम अदालती आदेशों के ढांचे के भीतर राज्यों के बीच विवादों का निपटारा करने के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और कावेरी जल नियामक समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के गठन का भी आदेश दिया था। लेकिन इस बार तमिलनाडु ने कर्नाटक से 15 हजार क्यूसेक और पानी छोड़ने की मांग की। इस पर कर्नाटक के विरोध के बाद कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण ने 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए कर्नाटक को कहा। लेकिन तमिलनाडु का आरोप है कि कर्नाटक ने 10 हजार क्यूसेक पानी भी नहीं छोड़ा है।

कर्नाटक का कहना है कि इस बार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने के कारण कावेरी नदी क्षेत्र के जलाशयों में पर्याप्त जल भंडार नहीं है। ऐसे में कर्नाटक ने पानी छोड़ने से इनकार कर दिया। जिससे यह मुद्दा गरमा गया। दोबारा उपजे विवाद के बाद 18 सितंबर 2023 को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने कर्नाटक को आदेश दिया कि वह तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी जारी करे। आदेश के तहत कर्नाटक को 28 सितंबर तक तमिलनाडु को पानी देना था।

हालांकि सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे कर्नाटक ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जहां से कर्नाटक सरकार को झटका लगा। सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण के आदेश में कोई भी हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण को हर 15 दिन में बैठक करने का निर्देश दिया। अब कर्नाटक के कई किसान और संगठन तमिलनाडु को पानी दिए जाने के खिलाफ खड़े हो गए हैं।

कावेरी जल को लेकर कर्नाटक ब्रिटिश राज की दुहाई देते हुए कहता है कि उस वक्त तमिलनाडु ब्रिटिश शासन के अधीन था। ऐसे में 1924 में हुए समझौते के वक्त उसके साथ न्याय नहीं हुआ था। कर्नाटक का कहना है कि 1956 में नए राज्य बनने के बाद पुराने समझौतों को रद्द माना जाना चाहिए। इसके साथ ही कर्नाटक की खेती के विकास तमिलनाडु की अपेक्षा देर से होने और नदी पहले उसके पास आने की दुहाई देते हुए कहता है कि सारे पानी पर उसका अधिकार है। विवाद को लेकर तमिलनाडु 1924 के समझौते को सही ठहराता है। उसका कहना है कि उस वक्त हुए समझौते के तहत तय पानी उन्हें मिलना चाहिए। तमिलनाडु का कहना है कि उसे हर बार पानी के लिए कोर्ट में गुहार लगानी पड़ती है।

गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने दोनों राज्यों के बीच कावेरी नदी जल विवाद को निपटाने के लिए मेकेदातु संतुलन जलाशय परियोजना को एक समाधान के तौर पर पेश किया है। इससे यह भी संकेत मिला है कि राज्य परियोजना को साकार करने की दिशा में प्रक्रिया शुरू करेगा। शिवकुमार का कहना है कि तमिलनाडु में पहले से ही 3,000 से 3,500 क्यूसेक पानी बह रहा है और इसके साथ ही हम किसानों के हितों और पीने के पानी की आवश्यकताओं की रक्षा करने का भी प्रयास करेंगे, यह हमारा दृढ़ संकल्प है। यह पूछे जाने पर कि क्या कर्नाटक तमिलनाडु के साथ बातचीत के लिए तैयार है, उनका कहना था कि अभी नहीं 15 दिन की अवधि समाप्त होने के बाद देखेंगे। हमने केंद्र से हस्तक्षेप करने और दोनों राज्यों के बीच बातचीत कराने का अनुरोध किया है। अभी तक तमिलनाडु में 3,000 से 3,500 क्यूसेक पानी बह रहा है, और प्रवाह लगभग 8,000 क्यूसेक है। मेकेदातु संतुलन जलाशय परियोजना का मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय में प्रक्रिया के दौरान भी सामने आया था, लेकिन तमिलनाडु ने अतीत में मौखिक रूप से कहा है कि इस पर बात नहीं की जानी चाहिए। जबकि पिछली राज्य सरकार ने परियोजना के संबंध में एक हलफनामा दायर किया था। परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये अलग रखे जाने के बावजूद काम शुरू नहीं हो सका है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत के साथ ‘करीबी संबंधों’ को लेकर प्रतिबद्ध है कनाडा : ट्रूडो

टोरंटो/भाषा

कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ करीबी संबंध स्थापित करने को लेकर ‘‘बहुत गंभीर’’ है, क्योंकि उसकी आर्थिक ताकत बढ़ रही है और वह एक अहम भूराजनीतिक भागीदार है, लेकिन वह चाहते हैं कि भारत खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए कनाडा के साथ मिलकर काम करे।

ट्रूडो ने ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को हुई निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की ‘‘संभावित’’ संलिप्तता के आरोप लगाए हैं, जिसके कारण भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया है। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था।

भारत ने ट्रूडो के आरोपों को ‘‘बेतुका’’ और ‘‘निहित स्वार्थों से प्रेरित’’ बताकर खारिज कर दिया है। उसने इस मामले में एक भारतीय अधिकारी को कनाडा से निष्कासित किए जाने के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को भारत से निष्कासित कर दिया। ‘द नेशनल पोस्ट’ समाचार पत्र के अनुसार, ट्रूडो ने कहा कि भारत के खिलाफ ‘‘विश्वसनीय आरोपों’’ के बावजूद, कनाडा उसके साथ निकट संबंध स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रूडो ने मॉन्ट्रियाल में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनका मानना है कि वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते महत्व को देखते हुए कनाडा और उसके सहयोगियों का उसके साथ ‘‘रचनात्मक और गंभीर तरीके से’’ जुड़े रहना ‘‘अत्यंत महत्वपूर्ण’’ है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ‘‘भारत एक बढ़ती आर्थिक शक्ति और महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक भागीदार है। और जैसा कि हमने पिछले साल अपनी हिंद-प्रशांत रणनीति में कहा था, हम भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने को लेकर बहुत गंभीर हैं।’’

समाचार पत्र ने ट्रूडो के हवाले से कहा ‘‘साथ ही, कानून के शासन का पालन करने वाले देश के रूप में, हमें इस बात पर जोर देना चाहिए कि भारत को यह सुनिश्चित करने के लिए कनाडा के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है कि इस मामले (निज्जर की हत्या) के पूरे तथ्य सामने आएं।’’

ट्रूडो ने कहा कि उन्हें अमेरिका से आश्वासन मिला है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन बृहस्पतिवार को वाशिंगटन में अपने भारतीय समकक्ष के साथ बैठक के दौरान निज्जर की हत्या में भूमिका को लेकर सार्वजनिक रूप से भारत पर लगाए गए आरोपों का मामला उठाएंगे।

बहरहाल, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ब्लिंकन और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच बैठक को लेकर मुहैया कराई गई जानकारी में यह नहीं बताया कि कि दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा राजनयिक गतिरोध पर चर्चा की या नहीं। ट्रूडो ने कहा, ‘‘अमेरिकी, भारत सरकार से इस बारे में बात करने में हमारे साथ रहे हैं कि भारतीय एजेंटों द्वारा कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या करने संबंधी इन विश्वसनीय आरोपों को लेकर कार्रवाई में भारत का शामिल होना कितना आवश्यक है।’’ उन्होंने कहा कि इस बात को सभी लोकतांत्रिक देशों, कानून के शासन का सम्मान करने वाले सभी देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कनाडा भारत सरकार के प्रति अपने दृष्टिकोण सहित इस मामले में कानून के शासन में रहते हुए ‘‘एक विचारशील, जिम्मेदार तरीके से’’ आगे बढ़ रहा है।

नौ मई की हिंसा का षड्यंत्र इमरान खान और उनकी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने रचा था : जेआईटी

लाहौर/भाषा

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के कई शीर्ष नेता नौ मई को सरकार विरोधी हिंसा की साजिश रचने में सीधे तौर पर संलिप्त थे। यह बात एक संयुक्त जांच दल ने यहां आतंकवाद रोधी अदालत को बतायी है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष खान की गत नौ मई को भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद पंजाब प्रांत में हुई हिंसा की जांच के लिए एक संयुक्त जांच दल (जेआईटी) का गठन किया गया था।

समाचार पत्र ‘डॉन’ ने शुक्रवार को खबर दी कि डीआईजी (अभियान) इमरान किश्वर के नेतृत्व वाली जेआईटी ने पीटीआई नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के खिलाफ आरोपपत्र बृहस्पतिवार को आतंकवाद रोधी अदालत के समक्ष दाखिल किया। खबर में कहा गया है कि लाहौर पुलिस के अनुसार, खान (70) और 9 मई के मामलों में नामजद 900 से अधिक अन्य पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को गंभीर अपराधों का दोषी घोषित किया गया है।

अदालत के समक्ष दायर आरोपपत्र में, अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया है कि नौ मई को संदिग्धों के नेतृत्व में हुआ हिंसक विरोध प्रदर्शन राज्य के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। इसमें कहा गया है, ‘‘पीटीआई अध्यक्ष के भाषणों सहित 400 से अधिक वीडियो सबूतों से साबित होता है कि छावनी क्षेत्रों में सैन्य प्रतिष्ठानों और परिसरों पर हमले पूर्व नियोजित थे।’’

पुलिस में दर्ज मामलों के अनुसार, बड़ी संख्या में पीटीआई कार्यकर्ताओं ने लाहौर में सैन्य प्रतिष्ठानों, पुलिस वाहनों और अन्य सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों पर हमला किया था। लाहौर कोर कमांडर हाउस (जिन्ना हाउस), अस्करी टॉवर और शादमान पुलिस थाने में तोड़फोड़ हिंसा के दौरान हुई कुछ प्रमुख घटनाएं थीं।

‘डॉन’ समाचार पत्र ने डीआईजी किश्वर के हवाले से कहा, ‘‘हमने उन्हें लाहौर के विभिन्न पुलिस थानों में आतंकवाद रोधी अधिनियम और अन्य आरोपों के तहत दर्ज कुल 14 मामलों में से 12 में मुख्य आरोपी घोषित किया है... (और) चालान एटीसी में दाखिल कर दिए गए हैं।’’

पटना में शुक्रवार को संजय गांधी जैविक उद्यान के स्वर्ण जयंती समारोह वर्ष पर राजगीर चिड़ियाघर और नेचर सफारी से रवाना होने से पहले राजद प्रमुख लालू प्रसाद और बिहार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तेज प्रताप के साथ सेल्फी लेते चिड़ियाघर के राजदूत।

डूबकी

हरिद्वार में शुक्रवार को सारध पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु हर की पैड़ी पर गंगा में पवित्र डुबकी लगाते श्रद्धालु।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से कनाडा मुद्दे पर चर्चा हुई : जयशंकर

वाशिंगटन/भाषा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि एक दिन पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ उनकी बैठक के दौरान एक खालिस्तानी अलगाववादी की मौत के संबंध में कनाडाई आरोपों पर चर्चा की गई थी। उन्होंने कहा कि बैठक के बाद दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने बेहतर जानकारी साझा की। जयशंकर से थिंक-टैंक ‘हडसन इंस्टीट्यूट’ में पूछा गया था कि क्या विदेश विभाग के फॉगी बॉटम मुख्यालय में ब्लिंकन के साथ उनकी बैठक के दौरान कनाडाई आरोपों का मुद्दा उठा था। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ‘‘हां, मैंने ऐसा किया था।’’

जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी पक्ष ने इस पूरी स्थिति पर अपना आकलन साझा किया और उन्होंने अमेरिकियों को भारत की चिंताओं का सारांश समझाया।ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को खालिस्तानी अलगाववादी निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की ‘‘संभावित’’ संलिप्तता संबंधी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया था।

भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने इन आरोपों को ‘‘बेतुका’’ और ‘‘प्रेरित’’ बताकर खारिज कर दिया था और ओटावा में इस मामले पर एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया था।

‘गणपथ’ का टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन 9 साल बाद एक बार फिर से बड़े परदे पर दर्शकों का मनोरंजन करने आ रहे हैं। इन दोनों सितारों की जोड़ी ’गणपथ : ए हीरो इज बॉर्न’ में नजर आएंगी। शुक्रवार (29 सितंबर) को पूजा एटंरटेनमेंट ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। इसमें ’गणपथ’ की दुनिया एक आकर्षक और सिनेमाई दुनिया का बेहतरीन अनुभव देती है। फिल्म में धमाकेदार एक्शन के साथ ड्रामा और फुल सस्पेंस है। टीजर आम फार्मूला फिल्म का संकेत देता है। हालांकि इसका फिल्मांकन का अंदाज जुदा है।

टाइगर का स्टाइल और कृति का एक्शन अवतार जबरदस्त है। टीजर की सबसे बड़ी खासियत इसका वीएफएक्स है, जो इंटरनेशनल लेवल का है।90 के दशक के मशहूर हिन्दी फिल्म निर्माता वासु भगनानी के बेटे अभिनेता जैकी भगनानी ने इसे प्रोड्यूस किया है। जैकी इससे पहले अक्षय कुमार को लेकर बैलबाटम और आगामी सप्ताह 5 अक्टूबर को प्रदर्शित होने वाली मिशन रानीगंज को निर्मित कर चुके हैं। जैकी भगनानी ने इसे विश्व स्तरीय सिनेमा में शामिल कराने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। जैकी ने कहा कि हम अपने सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक को रिलीज करने के लिए रोमांचित महसूस कर रहे हैं। इसे एक जुनून और खास विचार के साथ तैयार किया गया है, जो दर्शकों के लिए काफी कुछ खास लेकर आएगी। इसके निर्देशक विकास बहल हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी खास भूमिका है। इसे जैकी के साथ वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 20 अक्टूबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

फिल्म ‘केजीएफ 3’ 2025 में होगी रिलीज

मुंबई/भाषा

अभिनेता यश की ब्लॉकबस्टर कन्नड़ फिल्म ’केजीएफ’ का तीसरा संस्करण ’केजीएफ 3’ साल 2025 में रिलीज होगा। होम्बले फिल्म्स के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता के मुताबिक, दिसंबर 2023 तक फिल्म के प्रोडक्शन का काम शुरू हो जाएगा। होम्बले फिल्म्स के प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, ‘‘ 21 दिसंबर को ’केजीएफ’ की पांचवीं वर्षगांठ पर हम ’केजीएफ 3’ की रिलीज योजना की घोषणा करेंगे।

’केजीएफ 3’ के लिए निर्देशक, निर्माता और अभिनेता के बीच शुरुआती दौर की बातचीत हो चुकी है तथा पटकथा पर भी चर्चा हो गयी है। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 में शुरू होगी और फिल्म 2025 में रिलीज होगी।

घोषित हुई ‘कैप्टन मिलर’ की प्रदर्शन तिथि

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाले तमिल सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ’कैप्टन मिलर’ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। जिस दिन से फिल्म का एलान हुआ है उसी दिन से दर्शकों के बीच ’कैप्टन मिलर’ को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। सभी फिल्म के हर बड़े से बड़े और छोटे से छोटे अपडेट पर नजर बनाए रखते हैं। फिल्म के पोस्टर रिलीज करने से लेकर इसकी मेकिंग पर अपडेट साझा करने के बाद अब मेकर्स ने ’कैप्टन मिलर’ की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक ’कैप्टन मिलर’ का निर्देशन अरुण माथेश्वरण द्वारा किया गया है। यह एक रोमांचक क्राइम ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसका इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। फैंस के इंतजार को घटाते हुए आखिरकार आज मेकर्स फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। फिल्म 15 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खबर की पुष्टि निर्माताओं द्वारा जारी एक आधिकारिक पोस्टर के साथ की गई।

मेकर्स द्वारा साझा की गई रिलीज डेट इसलिए भी खास थी क्योंकि लायका प्रोडक्शंस ने धनुष की फिल्म के आधिकारिक ओवरसीज राइट्स भी अपने नाम कर लिए है। बता दें, ’कैप्टन मिलर’ 1980 के दशक पर आधारित एक पीरियड-एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन ने अपने बैनर सत्य ज्योति फिल्म्स के तहत निर्मित किया है। फिल्म में धनुष के अलावा मुख्य भूमिका में प्रियंका मोहन और शिव राजकुमार हैं।

बताया जा रहा है कि ’कैप्टन मिलर’ में धनुष का किरदार पूरी तरह से काल्पनिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में धनुष जबर्दस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं। बीते दिनों फिल्म पर निर्माता जी. धनंजयन ने बड़ा अपडेट देते हुए खुलासा किया था कि मूवी को तीन पार्ट में विभाजित करने की योजना बनाई गई है, क्योंकि कहानी दिन पर दिन बड़ी होती जा रही है।

प्यार, धोखे और साजिश की कहानी ‘बेकाबू 3’! रिया सेन व राहुल सुधीर की दिखेगी केमिस्ट्री

मुंबई/एजेन्सी

डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में लोकप्रिय ऑल्ट ने मोस्ट-अवेटेड सीरीज ’बेकाबू’ की लेटेस्ट इंस्टॉलमेंट ’बेकाबू 3’ के साथ वापसी करने का ऐलान किया है। पिछले सफल सीजन को आगे बढ़ाते हुए, नया सीजन दर्शकों को और भी ज्यादा एंटरटेनिंग और थ्रिलिंग एक्सपीरियंस देने का वादा करता है। यह दर्शकों को रोमांचित करेगा। शानदार कलाकारों से सजी ’बेकाबू 3’ में चित्रा के किरदार में रिया सेन, ईशा के किरदार में नवीना बोले, अर्जुन के किरदार में राहुल सुधीर, यूडी के किरदार में इमरान खान और अलीशा के किरदार में निकिता घाग हैं। कलाकारों ने दमदार परफॉर्मेंस देने का वादा किया है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा और उन्हें अपनी सीटों से बांधे रखेगा। ’बेकाबू 3’ ह्यूमन नेचर में गहराई से उतरती है, एक ऐसी दुनिया में जहां कोई भी वैसा नहीं है, जैसा वे होने का दिखावा करते हैं। यहां झूठ और विश्वासघात है। कहानी एक मासूम पत्नी तापसी और उसके पति अर्जुन, जो उसका बॉस होता है, के इर्द-गिर्द घूमती है। स्टोरी में धोखे और इच्छा का जाल है।

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, रिया सेन ने कहा, ’बेकाबू 3’ में चित्रा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचकारी रहा है। चित्रा एक ऐसा करेक्टर है, जो बहुआयामी, रहस्यमय और आश्चर्य से भरपूर है। मुझे चित्रा की मानसिकता को गहराई से समझने और उसकी जटिलताओं को पर्दे पर जीवंत करने में मजा आया। सीरीज में दर्शक देख सकेंगे कि चित्रा भावनाओं के किस उतार-चढ़ाव से गुजरती है और इस मनोरंजक कहानी में उनका चरित्र कैसे सामने आता है। ’बेकाबू 3’ एक ऐसा अनुभव है, जो किसी अन्य से अलग नहीं है और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही आनंद आएगा, जितना मुझे चित्रा का किरदार निभाने में आया।’’ राहुल सुधीर ने कहा, ’’’बेकाबू 3’ में अर्जुन का किरदार निभाना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा है। अर्जुन एक ऐसा करेक्टर है, जो रहस्यमय और विरोधाभासी है और वह कहानी के रहस्य और नाटक में एक अनूठी परत जोड़ता है। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना सौभाग्य की बात है, और मेरा मानना है कि हमारे दर्शक पहले एपिसोड से ही इससे जुड़ जाएंगे। ’बेकाबू 3’ प्यार, विश्वासघात और साजिश की एक गहन यात्रा है, और मैं दर्शकों की ओर से मिलने वाली प्रतिक्रिया के लिए उत्साहित हूं।’’ ’बेकाबू 3’ अपनी मनोरंजक कहानी, रोमांचक प्रदर्शन और अविश्वसनीय रहस्य के साथ मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। इस सीजन का हर क्षण तनाव, रहस्य और न्याय, प्रतिशोध और जुनून की निरंतर खोज से भरा है। भावनाओं के उतार-चढ़ाव के लिए खुद को तैयार रखें, क्योंकि हर एपिसोड आपको सीन से जोड़े रखेगा।

यश कुमार की फिल्म ‘एक था जोकर’ का आज वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की फिल्म एक था जोकर का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 30 सितंबर को भोजपुरी सिनेमा पर होगा। एक था जोकर के निर्माता यश कुमार एंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा हैं। फिल्म एक था जोकर का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 30 सितंबर को भोजपुरी सिनेमा पर संध्या सात बजे से किया जाएगा। इस फिल्म को दर्शक वापस से एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे से देख सकेंगे।

फिल्म एक था जोकर के निर्देशक सुजीत वर्मा हैं। एक था जोकर में यश कुमार, स्मृति सिन्हा के साथ विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के संगीतकार साजन मिश्रा और गीतकार राजेश मिश्रा, शेखर मधुर व धरम हिंदुस्तानी हैं। कहानी यश कुमार और पटकथा एवं संवाद एस. के. चौहान का है। कैमरामैन जहांगीर सैय्यद और संकलन गुर्जंट सिंह का है। एक्शन प्रदीप खड़का, नृत्य प्रवीण शेलार और कला अवधेश राय का है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा आयोजित होने वाले क्रिकेट के महाकुंभ जेपीएल के खिलाड़ियों की नीलामी एक पंचसितारा होटल में सम्पन्न हुई। 21 से 29 अक्तूबर को आयोजित होने वाले जीतो प्रीमियर लीग-राजेन्द्रा ड्रग्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु 225 खिलाड़ियों की 15 टीमों हेतु नीलामी की गई।

परमात्मा का अभिषेक करने से समस्त रोगों का नाश होता है : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम श्रीरामपुरम में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी की निश्रा में परमात्मा का भव्यातिभव्य स्नात्र महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि परमात्मा का जन्म सकल विश्व के कल्याण के लिए होता है, परमात्मा का अभिषेक व पापों का प्रक्षालन करने से रोग दूर होते हैं इसलिए देवताओं ने भी अरिहंत परमात्मा का जब जन्म होता है। तीर्थंकर का जीव जब इस पृथ्वी पर होता है तो सभी देवलोक में रहे हुए 64 इंद्र के द्वारा परमात्मा का भव्य मेरु शिखर के ऊपर से परमात्मा का अभिषेक करते हैं और देवताओं ने भी इंद्र महाराज होते हैं वह पांच रूप धारण करके परमात्मा को मेरु शिखर पर लेकर जाते हैं और बहुत ही बढ़िया तरीके से सुंदर तरीके से परमात्मा का अभिषेक करते हैं और जब परमात्मा का जन्म होता है, तब 56 अधिक कुमारी आकर के परमात्मा के सूचीकर्म करती है व मोरपंख, दर्पण, पंखा एवं चामर लेकर आती है और परमात्मा की भक्ति करते हैं बस उसी प्रकार से हम भी परमात्मा की भक्ति करके पुण्य का उपार्जन करें। रावण ने तीर्थंकर नामकरण कर्म उपार्जन किया वैसे हम भी तीर्थंकर नामकरण उपार्जन करें और हमारी आत्मा का कल्याण करें। परमात्मा का कल्याणक हमारी आत्मा का कल्याण करता है, परमात्मा का कल्याणक मानने से हमारा भी कल्याण होता है। स्नात्र महोत्सव के लाभार्थी परिवार अरविंद गुरुजी एवं सुरेश बरमट रहे। संघ सचिव नरेंद्र आच्छा ने बताया कि मुनिद्वय की निश्रा में नवाह्निका महोत्सव प्रारंभ होगा।

'भक्त के वश में होते हैं भगवान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचन्द्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनविजयजी म.सा. ने कहा कि भक्त के वश में भगवान होते हैं। भगवान को जिस रूप में चाहेंगे, उस रूप में ही वे भक्तों को मिलेंगे। बन्धु रूप में चाहेंगे तो बन्धु रूप में, पिता रूप में चाहेंगे तो पिता रूप में, मित्र रूप में चाहेंगे तो मित्र रूप में लेकिन जरूरी है भगवान से प्रेम का रिश्ता बनाए रखे। जरूरी नहीं कि भगवान जब उनके निकट रहें तभी प्रेम हो, दूर रहने पर न हो। भगवान से जब भी मांगें भक्ति ही मांगें। शेष तो उनकी कृपा से सब मिल ही जाएगा। सच्चे भक्तों ने भगवान से भक्ति ही मांगी और कहा कि मेरे मन को कामादि विकारों से

दूर कर दो, मुझ जैसे कृपापात्र को आप भक्ति दोगे तो आपकी महिमा और बढ़ जाएगी सुपात्र को तो हर कोई देते हैं। बालमुनि ने यह भी कहा कि भगवान भक्त के वश में होते हैं यह अलग बात है मगर भक्त के बगैर भी भगवान तो भगवान ही रहते हैं मगर भगवान के बगैर भक्त का कोई ठिकाना ही नहीं हो सकता है।

इसलिए जो व्यक्ति पूरे समर्पण के साथ खुद को भगवान के हवाले कर देता है उसकी रक्षा प्रभु ही नहीं धरती का कण-कण करता है। भगवान का जीवन गुणों से परिपूर्ण होता है इसलिए प्रभु की स्तुति-भक्ति-दर्शन करने का सार यही है कि उनकी स्तुति आदि करने से हमारे कर्मों का नाश होता है और आत्मा शुद्ध से शुद्धतम बनती है। पन्यासजी महाराज ने पूजन के लाभार्थी परिवारों की सराहना करते हुए कहा कि प्रभु की भक्ति में श्रावक न्याय नीतिपूर्वक जीवन जीते धन को श्रेष्ठ कार्यों में लगाकर पुण्योपार्जन करें यह उस भाग्यशाली हुए अपने का अहोभाग्य है। महोत्सव के सारे ही पूजनों का विधिविधान अल्पेश गुरुजी करा रहे हैं ।

ज्ञान और जीवन के स्रोत का प्रतिनिधित्व करता है कलश : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु।शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में एकादशन्हिका महासहोत्सव के प्रारंभिक दिन में कुंभ स्थापना, दीपक स्थापना, ज्वारारोपण, नवग्रह पाला पूजन, दश दिग्पाल पूजन एव अष्टमगल पाटला पूजन का विधान हुआ। आचार्यश्री ने प्रवचन में कहा कि कलश का धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक रूप में भी महत्व है। कलश धर्म की दृष्टि से एक शुभ प्रतीक है। इसे आम तौर पर पूर्णकलश-पूर्ण कुंभ या पूर्णघर के रूप में जाना जाता है। कलश ज्ञान और जीवन के स्रोत का प्रतिनिधित्व करता है। जब कलश में अक्षत या जल भर दिया जाता है तो इसे पूर्णकलश कहा जाता है। पूजन में कलश का उपयोग करने से धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। विद्वानों का मानना है कि धातु का धडा उर्वरता का पात्र होता है। जो जीवन का प्र दाता है। आम के पत्ते प्रेम का जब स्नेह का, सद्भाव का प्रतीक है। श्रीफल समृद्धि और शक्ति प्रदान करता है। कलश में पानी अन्यतत्त्व एवं वनस्पति खनिजों सहित हमारी पृथ्वी समृद्धि का प्रतीक है। हम कलश को पंचतत्वों से जोड़ सकते है। कलश चक्रों का भी प्रतिनिधित्व करता है, यह हमारे शरीर के माध्यम से असंतुलन या ऊर्जा प्रवाह को संतुलित करने में भी मदद करता है। धर्म परंपराओं में जैसे पूजन का महत्व है वैसे पूजन के दरम्यान कलश की भी बेहद मान्यता है। कलश को वरुण देवता का स्वरुप माना जाता है। वरुण यानी के देवता भी फल लक्ष्मी का प्रतीक है। पत्ते सौन्दर्य यानी हरियाली का प्रतीक है।

कलश के मुख पर देव-कंठ पर गुरु एवं कलश के तल यानी नीचे वाले हिस्से में धर्म का वास बताया जाता के है। कलश के मध्य भाग में सभी सागरों एवं नदियों का भाग बहता है। इस कारण से कहा जाता से है कि कलश संपूर्ण देव देवियों का स्थान होता है।

तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर ने आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन मे तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर के तत्वावधान में सभा भवन में दि पावर ऑफ सबकॉन्शियस माइंड विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। अध्यक्ष मीना दक ने सभी का स्वागत करते हुए विषय की जानकारी दी।

मुख्य वक्ता महेन्द्र दक ने अपने प्रशिक्षण में कहा कि अवचेतन मन को कैसे क्रियान्वित करना है वह हमारे हाथ में है। अपने शरीर, इन्द्रिय को सकारात्मक उर्जा के साथ चेतन बना सकते है। आइएम पॉसिबल और आइएम रेस्पान्सिबल इन सूत्र को अपनाकर हम अपने सकारात्मक स्वभाव मे रह सकते है। उन्होंने अनुप्रेक्षा का प्रयोग करवाया। जो तत्व अवचेतन मन को दूषित करता है उसे दूर करने के उपाय बताए। वक्ता का सम्मान किया गया। उपाध्यक्ष मीना भटेवरा ने आभार व्यक्त किया।संचालन प्रीति गादिया व प्रियंका डुंगरवाल ने किया। कार्यशाला में महिला व कन्या मंडल की करीब 60 सदस्याएं उपस्थित थीं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

तेयुप विजयनगर सदस्यों ने डॉ देवी शेट्टी से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नारायण इंटरनेशनल हेल्थ सिटी में विश्व प्रसिद्ध हार्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर देवी शेट्टी के साथ तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर पदाधिकारियों ने एमबीडीडी रक्तदान के अमृत स्मरणोत्सव के समर्थन हेतु शिष्टाचार मुलाकात की तथा नारायण हेल्थ सिटी में तेयुप विजयनगर द्वारा आयोजित कॉरपोरेट रक्तदान शिविर के लिए प्रमाणपत्र सौंपा। इस अवसर पर एमबीडीडी के दक्षिण प्रभारी अमित दक ने अभातेयुप के कॉरपोरेट शिविरों की जानकारी दी। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने नारायण हृदयालय के सतत सहयोग के लिए धन्यवाद किया। इस मौके पर तेयुप विजयनगर उपाध्यक्ष विकास बाँठिया व मंत्री कमलेश चोपडा की उपस्थिति में एमबीडी प्रभारी प्रवीण गन्ना ने बताया कि इस बार परिषद विभिन्न कॉरपोरेट्स, स्थानीय इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सहयोग से कम से कम 51 शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 1 अक्टूबर तक चलेगा।

परमात्मा की प्रत्येक बात पर पूर्ण श्रद्धा और विश्वास रखें : साध्वी सुलोचनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में क़हा कि किसी भी चीज के स्वामी की आज्ञा के बिना अगर हम वह वस्तु उपयोग में लेते हैं तो उसमें भी हमें स्वामी अदत्त का दोष लगता है। कोई भी चीज की शुरुआत छोटी से होती है लेकिन देखते ही देखते वह गलतियां बड़ी हो जाती है और हमें वह पाप भी नहीं लगती है। जिस प्रकार मकड़ी अपनी मुंह की लार से जाला बुनती है और वह छोटे से बड़ा हो जाता है और वह उसी जाल में फंसकर अपने जीवन का अन्त कर लेती है उसी प्रकार हम भी छोटी छोटी गलतियां करते हुए बड़ी गलतियों की तरफ बढ़ जाते हैं और उसी में हम अपनी आत्मा को कर्मों से भारी कर लेते हैं। एक बच्चे की पहली पाठशाला उसके घर से ही शुरू होती है, सद्संस्कार वहीं से शुरू होते हैं। उसी प्रकार जीव अदत्त के दोष से बचने के लिए भी हमें बहुत उपयोग रखना होता है, फल, सब्जी, पानी और खाने पीने की वस्तुओं का ध्यान रखना और किसी भी जीव की इच्छा के बगैर उसका उपयोग करना भी दोष है। परमात्मा की आज्ञा और हमारा शुद्ध आचार ही हमारा धर्म है, तीर्थंकर परमात्मा की आज्ञा की अवहेलना तीर्थंकर अदत्त है।

परमात्मा की प्रत्येक बात पर हमें पूर्ण श्रद्धा और विश्वास होना चाहिए। जो परमात्मा ने कहा है वह अखंड सत्य है और परमात्मा का कर्म सिद्धान्त भी अटल सत्य है उस पर पूर्ण श्रद्धा होनी चाहिए्। हमारा आचार सही होगा तो विचार, व्यवहार और जीवन भी सुधर जाएगा। साध्वीवर्या की निश्रा में रविवार को 68 दिवसीय नवकार महामंत्र जाप का समापन कार्यक्रम रखा गया है जिसमें बेंगलूरु के अनेक मंडल जाप में हिस्सा लेंगे।

'परमात्मा के गुणों का गुणगान करके रोम रोम पुलकित होता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में पुच्छीसुणं का संपुट्ट जाप का आयोजन गतिमान है। साध्वीश्री ने उपस्थित श्रावक श्रावकिओं द्वारा पुच्छीसुणं की नौवीं गाथा का संपृष्ट जाप किया गया। महासतीजी ने विवेचन करते हुए कहा कि हर जीव आत्मा से परमात्मा बन सकता है। कंकर से शंकर बन सकता है। प्रभु परमात्मा के गुणों का गुणगान करके रोम रोम पुलकित होता है। दो प्रकार के प्राणी होते हैं, पुण्यात्मा एवं पापात्मा। अंधकार से प्रकाश की ओर जो अग्रसर होते हैं वह पुण्यात्मा कहलाती हैं। इससे पूर्व जाप के बाद में गाथा का विवेचन करते हुए साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि भगवान महावीर अनंत शक्तिशाली थे, वे अनंत बली थे। परिपूर्ण वीर्यवान अर्थात परम पराक्रमी, परम समर्थ थे। 'कम्मे सूरा ते धम्मे सूरा' अर्थात कर्म में शूरवीर व्यक्ति ही अनंत: धर्म में शूरवीर बनता है। अविवेकी व्यक्ति शक्ति को हिंसा में खफा देता है और विवेकी व्यक्ति शक्ति को अहिंसा में नियोजित कर देता है। रावण और राम दोनों अपरिमित बली थे। दोनों ने ही अपनी-अपनी शक्ति का उपयोग किया। रावण ने शक्ति का नियोजन करके विध्वंस किया एवं स्वयं विध्वंस को प्राप्त हुआ। राम ने शक्ति का प्रयोग करके सर्जन किया। जीवन एक रणांगन है, युद्ध का मैदान है। आपको यह युद्ध लड़ना है। यह युद्ध आप राम बनकर भी लड़ सकते हैं और रावण बनकर भी लड़ सकते हैं। आपका अत्यंत वैयक्तिक अधिकार है कि आप क्या बनना चाहते हैं। दो प्रकार की शक्ति होती है। दैहिक शक्ति, जो अलग-अलग व्यक्तियों में अलग-अलग प्रकार कि होती है । दूसरी आत्मिक शक्ति। सभी आत्माएं समान है। प्रत्येक आत्मा अनंत शक्ति का पुंज है।

साध्वी ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। शुक्रवार को तरुण सुखलेचा ने पंद्रह उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। पुच्छिस्सुणं जाप के लाभार्थी पवनकुमार पारसमल देवड़ा और गौतमचंद संजयकुमार लुंकड़ परिवार थे। उपाध्याय गुरुदेव पुष्करमुनिजी की जयंती के उपलक्ष्य में 1 से 8 अक्टूबर तक अष्टदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

जेपीएल 'राजेंद्रा ड्रग्स' क्रिकेट कप के खिलाड़ियों की नीलामी संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा आयोजित होने वाले क्रिकेट के महाकुंभ जेपीएल के खिलाड़ियों की नीलामी एक पंचसितारा होटल में सम्पन्न हुई। 21 से 29 अक्तूबर को आयोजित होने वाले जीतो प्रीमियर लीग-राजेन्द्रा ड्रग्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु 225 खिलाड़ियों की 15 टीमों हेतु नीलामी की गई। जेपीएल संयोजक देव सामर ने प्रायोजकों, टीम मालिकों एवं मुख्य अतिथि का जीतो की ओर से स्वागत किया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है और क्रिकेट का रोमांच तो हमेशा ही शिखर पर रहता है। उपाध्यक्ष राजेश मुथा ने जीपीएल के सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया तथा खेल आयोजन के सफलता की कामना की। महामंत्री सुधीर गादिया ने कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक है और ऐसे आयोजनों से टीम भावना का विकास होता है।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के खेल संयोजक विमलेश भंडारी के अनुसार राजेन्द्रा ड्रग्स के कुशलराज निकेशकुमार बोहरा के मुख्य प्रायोजन, मंगलदीप चैन्स के घेवरचंद कुशल सफल साकरिया के सह प्रायोजन, खिया फाइनेस्ट के सुरेशकुमार विक्रमकुमार वेदमुथा के इवेंट प्रायोजन व अरिहंत ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के अशोक नागोरी सुधीर गादिया दिलीप बोहरा के जर्सी प्रायोजन में यह प्रतियोगिता आयोजित होगी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अंतरष्ट्रीय क्रिकेटर विराट कोहली के कोच राजकुमार शर्मा ने युवाओं को क्रिकेट की महत्वपूर्ण युक्तियां देते हुए विराट कोहली के अनेकों संस्मरणों को बताया। दीपक चंडालिया ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया।

खेल समिति सदस्य अरविंद टपरावत, दर्श जैन, ज्ञान मांडोत, महावीर कानूँगा, नेमीचन्द दलाल, प्रीतेश जैन, ऋषभ बोहरा, ऋषि बाफना, यश मेहता आदि का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा। हेमंत पोरवाल एवं गौरव दलाल ने पेशेवर तरीके से खिलाड़ियों की नीलामी करवाई। इस अवसर पर जीतो अपेक्स निदेशक नरेंद्रसिंह सामर, शैलेश हरण, विनोद जैन व हितेश पालरेचा, जीतो अपेक्स से केकेजी-टीएनएपी खेल प्रभारी संजय सिसोदिया, केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, जीतो नॉर्थ उपाध्यक्ष प्रवीण शाह व सुभाष खींवेसरा, सह कोषाध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया, सचिव सिद्धार्थ पटवा, समिति सदस्य अशोक भंडारी व महेंद्र सोलंकी, महिला अध्यक्ष बिंदु रायसोनी, युवा अध्यक्ष मनीष कोठारी, उपाध्यक्ष ऋषभ बोहरा, महामंत्री खुशी पोरवाल व सचिव चिराग कटारिया के साथ जीतो साउथ समिति सदस्य अमित मेहता व अरुण भंसाली आदि उपस्थित थे। शेखर चानोदिया व नीतेश गांधी ने आभार व्यक्त किया।

जीतो ने आयोजित की अल्पसंख्यक जागरूकता संगोष्ठी

केएमडीसी के अध्यक्ष अब्दुल अजीम व एमडी मोहम्मद नजीर हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु चैप्टर ने बुधवार को कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास आयोग (केएमडीसी) में अल्पसंख्यक की राष्ट्रीय परियोजना के अंतर्गत अल्पसंख्यक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु साउथ और नॉर्थ द्वारा आयोजित की गई। जीतो साउथ महिला चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत किया तथा नार्थ की चेयरपर्सन बिन्दु रायसोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

नार्थ चैप्टर के चेयरमैन इन्दरचन्द बोहरा ने महिलाओं की सराहना की तथा साऊथ के चेयरमैन दिनेश बोहरा व संयोजक संजय भंडारी ने महिलाओं को प्रोत्साहित किया।

इस मौके पर कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास आयोग के अध्यक्ष अब्दुल अज़ीम ने आयोग में बारे में जानकारी देते हुए सरकार ने केएमडीसी के उद्देश्यों और सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। केएमडीसी के प्रबंध निदेशक मोहम्मद नज़ीर ने कहा कि केएमडीसी कॉर्पोरेशन का मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यकों जरूरतमंदों को ऋण सुविधाएं प्रदान करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और सामाजिक न्याय, बुनियादी ढांचा, शिक्षा और रोजगार भी प्रदान कर सकें। मोहम्मद नजीर ने अरिवु शैक्षिक ऋण योजना, गंगा कल्याण योजना, श्रमशक्ति योजना, वृत्ति प्रोत्साहन योजना, स्वालंबी सारथी योजना, समुदाय आधारित प्रशिक्षण योजना, श्रमशक्ति विशेष योजना, विदेशी शिक्षा ऋण योजनाओं के बारे में जानकारी दी। केकेजी जोन के अध्यक्ष अशोक सालेचा, मुख्य सचिव दिलीप जैन और केकेजी की अल्पसंख्यक संयोजिका कविता पोरवाल ने भी अल्पसंख्यक परियोजनाओं कर जानकारी दी। वास्तविक संपूर्ण प्रक्रिया को जानने के लिए जीतो एपेक्स, अल्पसंख्यक सचिव रजनीश जैन व जीतो एपेक्स, अल्पसंख्यक कोषाध्यक्ष भावेश शाह ने सहयोग दिया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष प्रमिला भंडारी, मधु दोशी, अनिता पिरगल, पिंकी जैन, जेएलडब्ल्यू दक्षिण संयोजक (अल्पसंख्यक)ललिता नागोरी और सह संयोजक निशा जियानी, जेएलडब्ल्यू उत्तर संयोजक संगीता नागोरी आदि उपस्थित थे। इस मौके पर संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कविता पोरवाल ने धन्यवाद दिया। इस सत्र में कुल 150 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

परमात्मा और मौत को कभी नहीं भूलना चाहिए

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि दुनिया में रहते हुए दो चीजों को कभीं नहीं भूलना चहिए। न भूलने वाली चीज है,एक तो परमात्मा और दूसरी मौत। भूलने वाली दो बातों में से एक है तुमने किसी का भला किया तो उसे तुरंत भूल जाओ और दूसरी बात किसी ने तुम्हारे साथ अगर कभी कुछ बुरा भी कर दिया तो उसे तुरंत भूल जाओ। मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, दिलिप कांकरिया, आदि उपस्थित रहे।

'कर्नाटक बंद' के दौरान सैकड़ों प्रदर्शनकारी हिरासत में लिये गये, बाद में छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ शुक्रवार को कर्नाटक बंद के दौरान सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि सभी प्रदर्शनकारियों को बाद में छोड़ दिया गया। कन्नड़ समर्थक संगठनों और किसान संगठनों की ओर से इस कर्नाटक बंद का आह्वान किया गया था। बेंगलूरु पुलिस ने 800 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया जिन्होंने एक दिन के बंद के दौरान सड़कों को जाम करने का प्रयास किया। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने शाम को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शहर में बंद शांतिपूर्ण ढंग से बीत गया तथा पथराव, दुकानों को जबरन बंद कराने तथा सड़कों पर वाहनों को चलने से रोकने की घटनाएं सामने नहीं आयीं।

उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर 785 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया और बाद में उन सभी को छोड़ दिया गया। यहां फ्रीडम पार्क में करीब 1500 प्रदर्शनकारी प्रदर्शन के तहत एकत्र हुए थे। कर्नाटक में जगह-जगह सुरक्षा कड़ी की गयी थी और भारी पुलिस तैनाती की गयी थी। बेंगलूरु पुलिस ने एहतियात के तौर पर बृहस्पतिवार आधी रात से धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगू की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने बड़ी संख्या में उन प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में ले लिया जिन्होंने बेंगलूरु-होसुर और बेंगलूरु-मैसूरु राष्ट्रीय राजमार्गों पर धरने पर बैठकर उन्हें जाम करने की कोशिश की।

कावेरी क्षेत्र मंड्या में 325 प्रदर्शनकारियों को एहतियात के तौर पर हिरासत में लिया गया तथा बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। किसान संघ के सदस्यों ने तमिलनाडु को कोवरी नदी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ जिले में रेल-रोको प्रदर्शन भी किया तथा राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com